www.deshkiupasana.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE

सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 04 | अंक – 296 | जौनपुर बुधवार, 17 जून 2026 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

आधार के दुरुपयोग पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, केंद्र–राज्यों को नोटिस

नई दिल्ली, (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को एक जनहित याचिका पर विचार करने पर सहमति जताई। इस याचिका में केंद्र सरकार, सभी राज्यों व केंद्रशासित प्रदेशों और भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) को निर्देश देने की मांग की गई है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि आधार का इस्तेमाल केवल पहचान के सबूत के तौर पर हो न कि नागरिकता, निवास, पते या जन्मतिथि के सबूत के तौर पर। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) और जस्टिस वी. मोहना की बेंच ने वकील अश्विनी कुमार उपाध्याय की याचिका पर केंद्र सरकार, सभी राज्य सरकारों व केंद्रशासित प्रदेशों, ईसीआई और यूनिक आइडेंटिफिकेशन अथॉरिटी ऑफ इंडिया (यूआईडीएआई) को नोटिस जारी किया। इस मामले की अगली सुनवाई 7 अगस्त को होगी। याचिका में कहा गया है कि आधार अधिनियम, 2016 की धारा 9 साफ तौर पर कहती है कि आधार नागरिकता या निवास का सबूत नहीं है जबकि यूआईडीएआई की सूचनाएं स्पष्ट करती हैं कि आधार केवल पहचान का सबूत है न कि नागरिकता, पते या जन्मतिथि का सबूत। याचिका के अनुसार, इन कानूनी सीमाओं और अदालती फैसलों के बावजूद कि आधार उम्र का सबूत नहीं है।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस से पहले ऋषिकेश में सेना के जवानों के लिए विशेष योग शिविर आयोजित

नई दिल्ली, (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस से पहले ऋषिकेश में गंगा नदी के पवित्र तट पर स्थित नीम बीच, तपोवन आमखाला में भारतीय सेना के जवानों के लिए एक विशेष योग शिविर का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम योग गुरु और आयुर्वेदिक चिकित्सक डॉ. अमृत राज द्वारा संचालित किया गया, जो आरोग्यधाम रिट्रीट (मां योग आश्रम) से जुड़े हैं। इस शिविर में रायवाला मिलिट्री स्टेशन, जिसे लोकप्रिय रूप से 6 माउंटेन ब्रिगेड के नाम से जाना जाता है, के अधिकारियों और जवानों ने हिस्सा लिया। इनके साथ एनसीसी कैडेट्स भी कार्यक्रम में शामिल हुए। डॉ. अमृत राज ने प्रतिभागियों को अपनी दैनिक दिनचर्या में योग और आयुर्वेद को शामिल करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने आयुर्वेदिक जीवनशैली अपनाने के महत्व पर जोर देते हुए स्वास्थ्य से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां भी साझा कीं। योग के आध्यात्मिक पहलू पर बात करते हुए डॉ. अमृत राज ने कहा कि हमारा सबसे बड़ा प्रश्न "मैं कौन हूं?" है और इसका उत्तर खुद को दिव्य, प्रसन्न, शांत और आनंदमय आत्मा के रूप में पहचानने में छिपा है। यह शिविर 21 जून को मनाए जाने वाले अंतरराष्ट्रीय योग दिवस से पहले आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों का हिस्सा था। यदि इसे बढ़ाकर 5 प्रतिशत किया गया तो अन्य पिछड़े वर्गों के लिए उपलब्ध अवसर और कम हो जाएंगे। नागेंद्रन ने कहा कि आरक्षण में इस तरह की बढ़ोतरी से वर्तमान आरक्षण व्यवस्था का संतुलन बिगड़ जाएगा।

धैर्य और विवेक से खुलते हैं समृद्धि के द्वार - पीएम मोदी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म श्एक्सश पर संस्कृत सुभाषित साझा किया। पीएम मोदी ने एक्स पोस्ट में लिखा, धैर्य, विवेक और दूरदर्शिता से किए गए कार्यों से ही सुख–समृद्धि के द्वार खुलते हैं, इसलिए हर निर्णय में पूरी समझदारी जरूरी है, क्योंकि सोच–समझकर उठाया गया कदम ही सफलता का आधार बनता है। प्रधानमंत्री मोदी की ओर से संस्कृत श्लोक, सहसा विदधीत न क्रियामविवेकः परमापदां पदम्। वृणते हि विमृश्यकारिणं गुणलुब्धाः स्वयमेव सम्पदःष शेयर किया गया। इस श्लोक का हिंदी अर्थ है कि किसी भी कार्य को बिना सोचे–समझे नहीं करना चाहिए, क्योंकि बिना विचार किए काम को करना बड़ी विपत्तियों का कारण होता है। इसके विपरीत, जो व्यक्ति अच्छी तरह सोच विचार कर काम करता है, गुणों की सफलता और लक्ष्मी स्वयं ढूंढते हुए उसका चुनाव करती हैं। इससे पहले, प्रधानमंत्री मोदी ने 15 जून को सुभाषित साझा किया था। पीएम मोदी ने लिखा था कि हर मिट्टी के ढेले में अलग सोचय हर जलाशय में ताजा पानी। हर जन्म में नई खोजेंय हर मुंह में नई बोली होती है। प्रधानमंत्री ने वीडियो शेयर कर लिखा था कि नवाचार और उद्यम के क्षेत्र में प्रत्येक व्यक्ति की सोच और सर्जनात्मक दृष्टि अलग–अलग होती है, और यही विविधता नई संभावनाओं को जन्म देती है। जिस प्रकार हल जल स्रोत का स्वाद भिन्न होता है, उसी प्रकार हर प्रतिभा अपनी अनूठी पहचान और योग्यता रखती है। इन्हीं भिन्न–भिन्न विचारों और क्षमताओं के समन्वय से नवाचार और प्रगति संभव होती है। इससे पहले पीएम मोदी ने 12 जून को सुभाषित शेयर किया था। तब पीएम ने श्एक्सश पोस्ट में लिखा था कि भारत की नारी शक्ति राष्ट्र निर्माण की आधारशिला है। हमारी माताएं, बहनें और बेटियां आज हर क्षेत्र में अपनी अद्भुत प्रतिभा और कौशल से मां भारती का गौरव बढ़ा रही हैं। उन्होंने संस्कृत श्लोक ष्नारी त्रैलोक्यजननी नारी त्रैलोक्यरूपिणी। नारी त्रिभुवनाधारा, नारी शक्तिस्वरूपिणीष्क शेयर किया था, जिसका हिंदी अर्थ है कि नारी तीनों लोकों की जननी है। नारी ही तीनों लोगों की अभिव्यक्ति है। वही पूरे संसार का आधार है और वही शक्ति का वास्तविक स्वरूप है।

भारत–फ्रांस टेक्नोलॉजी और इनोवेशन में मजबूत सहयोग की तलाश – पीयूष गोयल

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में टेक्नोलॉजी, इनोवेशन और रणनीतिक क्षेत्रों में भारत–फ्रांस की साझेदारी को नई गति मिल रही है। उन्होंने फ्रांसीसी कंपनियों और निवेशकों को भारत की विकास यात्रा में भागीदार बनने का आमंत्रण दिया।

पीयूष गोयल अपनी फ्रांस यात्रा के दौरान जाने–माने वकील और आईआईटी दिल्ली बोर्ड के चेयरमैन हरीश साल्वे द्वारा आयोजित डिनर में शामिल हुए। इस डिनर में भारत और फ्रांस के प्रमुख इंडस्ट्री लीडर्स, एकेडेमिया, रिसर्चर्स और इनोवेटर्स ने हिस्सा लिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के नेतृत्व में दोनों देशों के बीच रणनीतिक, आर्थिक, टेक्नोलॉजी और इनोवेशन क्षेत्र में सहयोग तेजी से बढ़ रहा है। फ्रांस की कंपनियों और निवेशकों से आग्रह किया कि वे भारत की विकास यात्रा का हिस्सा बनें और दोनों देशों के लिए समृद्ध व टिकाऊ भविष्य बनाने में योगदान दें। पीयूष गोयल ने यूरोप के सबसे बड़े साइंस और टेक्नोलॉजी हब सोफिया एंटीपोलिस का दौरा किया। इसे यूरोप की सिलिकॉन वैली बताया जाता है। इस टेक पार्क में 2,600 से अधिक कंपनियां काम कर रही हैं। मंत्री ने कहा कि यह हब रिसर्च, टैलेंट और एंटरप्राइज के सफल मॉडल का उदाहरण है। उन्होंने वहां मौजूद इंडस्ट्री लीडर्स को भारत में निवेश, सहयोग और बिजनेस विस्तार के अवसरों पर विचार करने का निमंत्रण दिया।

शिवसेना (यूबीटी) में फिर टूट की आहट सांसदों की गैरमौजूदगी से बढ़ी उद्धव ठाकरे की चिंता

मुंबई, (एजेंसी)। महाराष्ट्र की राजनीति में एक बार फिर शिवसेना (यूबीटी) के भीतर संभावित टूट की चर्चा तेज हो गई है। 2022 में एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में हुए विद्रोह के बाद पार्टी को बड़ा झटका लगा था और अब एक बार फिर उद्धव ठाकरे के सामने अपने संगठन को एकजुट बनाए रखने की चुनौती खड़ी होती दिख रही है। हाल के घटनाक्रमों ने यह संकेत दिया है कि पार्टी के भीतर असंतोष और गुटबाजी की आशंकाएं पूरी तरह खत्म नहीं हुई हैं। संभावित राजनीतिक हलचलों के बीच उद्धव ठाकरे ने रविवार को अपने आवास श्मातोश्रीश में शिवसेना (यूबीटी) के लोकसभा सांसदों की अहम बैठक बुलाई। हालांकि, पार्टी के नौ सांसदों में से केवल चार सांसद ही बैठक में मौजूद रहे। इनमें अरविंद सावंत, अनिल देसाई, राजाभाऊ वाजे और संजय पाटिल शामिल थे। बाकी पांच सांसदों की अनुपस्थिति ने राजनीतिक गलियारों में अटकलों को और तेज कर दिया।बैठक के बाद शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने दावा किया कि अनुपस्थित सांसद वर्चुअल माध्यम से बैठक से जुड़े थे। उन्होंने कहा कि भाऊसाहेब वाकचौरे, ओमप्रकाश राजे निंबालकर, नागेश पाटिल अष्टिकर और संजय देशमुख ऑनलाइन शामिल हुए थे, जबकि सांसद संजय जाधव ने फोन पर बातचीत कर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई थी। हालांकि, बाद में ऐसी खबरें सामने आईं कि अधिकांश सांसद वास्तव में बैठक से नहीं जुड़े थे, जिससे अटकलों का बाजार और गर्म हो गया।

लखनऊ स्थित मुख्यमंत्री आवास पर जेवर के किसानों का ऐतिहासिक सम्मान

लखनऊ, (संवाददाता)। नोएडा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के लिए अपनी भूमि समर्पित करने वाले जेवर क्षेत्र के किसान परिवारों ने जेवर के विधायक धीरेन्द्र सिंह जी के नेतृत्व में आज मुख्यमंत्री आवास, 5 कालिदास मार्ग, लखनऊ पर उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी से भेंट कर उनका आभार व्यक्त किया। यह अवसर केवल एक औपचारिक मुलाकात नहीं था, बल्कि विकास, विश्वास और किसान सम्मान की एक ऐतिहासिक यात्रा का प्रतीक बन गया। इस अवसर पर जेवर के विधायक धीरेन्द्र सिंह ने मुख्यमंत्री जी का स्वागत करते हुए कहा कि ष्आज वह केवल जेवर के विधायक के रूप में नहीं, बल्कि उन हजारों किसान परिवारों की भावनाओं के प्रतिनिधि के रूप में उपस्थित हैं, जिन्होंने प्रदेश और राष्ट्र के विकास के लिए अपनी पुश्तैनी भूमि समर्पित कर दी। किसान के लिए भूमि केवल संपत्ति नहीं होती, बल्कि उसकी पहचान, उसकी विरासत और उसके परिवार के भविष्य का आधार होती है। जेवर के विधायक धीरेन्द्र सिंह ने कहा है कि ष्जेवर के किसानों ने आज अपनी ही जमीन पर बने विश्वस्तरीय एयरपोर्ट से लखनऊ तक की हवाई यात्रा कर इतिहास रच दिया। कल तक जिन हाथों में फावड़ा, हल और दरांती हुआ करती थी, आज उन्हीं हाथों में बोर्डिंग पास देखकर मन गर्व से भर उठता है। यह केवल एक यात्रा नहीं, बल्कि किसानों के संघर्ष, सम्मान और बदलते हुए उत्तर प्रदेश की नई तस्वीर है।ष माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने अपने संबोधन में जेवर क्षेत्र के किसानों के त्याग, दूरदर्शिता और सहयोग की सराहना करते हुए कहा कि ष्नोएडा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट की परिकल्पना को साकार करने में जेवर के किसानों तथा विधायक श्री धीरेन्द्र सिंह की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि श्उन्हें वह समय भली–भांति स्मरण है जब प्रदेश मंत्रिमंडल द्वारा जेवर एयरपोर्ट का प्रस्ताव स्वीकृत किए जाने के पश्चात भी परियोजना आगे नहीं बढ़ पा रही थी।

प्रिंस यादव मौत मामले की भारत, बिहार और नेपाल सरकार मिलकर संयुक्त जांच करे : तेजस्वी यादव

पटना, (एजेंसी)। पटना में ज्ञान बिंदु कोचिंग से जुड़े रौशन आनंद के भाई प्रिंस यादव की संदिग्ध मौत के मामले ने राजनीतिक तूल पकड़ लिया है। घटना को लेकर राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के कार्यकारी अध्यक्ष और बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने एनडीए सरकार से जांच कराने की मांग की।भारतीय संस्कृति ब्लॉग राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव ने घटना पर दुख जताते हुए कहा कि यह बेहद संवेदनशील मामला है और इसकी निष्पक्ष जांच जरूरी है।उन्होंने कहा कि मृतक के परिवार के प्रति उनकी संवेदनाएं हैं और इस समय परिवार के साथ खड़ा होना प्राथमिकता है। मौत के कारणों को लेकर अभी स्पष्टता नहीं है, इसलिए यह जांच का विषय है।राजनीतिक विश्लेषण पॉडकास्ट उन्होंने पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार करने और पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच कराने की आवश्यकता पर जोर दिया। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि शिक्षा संस्थानों में इस तरह की घटनाएं गंभीर चिंता का विषय हैं और भारत, बिहार तथा नेपाल की सरकारों को मिलकर संयुक्त जांच करनी चाहिए।इसी मामले पर जनशक्ति जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेज प्रताप यादव ने बयान देते हुए कहा कि वे पहले भी अपने रुख पर कायम थे और आज भी उसी पर टिके हैं। उन्होंने दावा किया कि मामले में एक विशेष व्यक्ति की भूमिका की जांच होनी चाहिए और कड़ी कार्रवाई की मांग की। उन्होंने खान सर का नाम लेते हुए गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि जल्द ही पूरे मामले की जांच हो जिससे सच्चाई सबके सामने आ सके। बिहार में जिस तरह से शिक्षा संस्थानों का हाल हो रहा है, उस पर सरकार को ध्यान देना चाहिए। कल भी मेरा यही स्टैंड था और आज भी मैं उसी पर कायम हूं। जिस तरह की बर्बरता हुई है, उसे पूरे देश ने देखा है। हमें पता है कि खान सर की पहुंच कहां तक घ्है और वे किन–किन लोगों से जुड़े हुए हैं। इसके साथ ही तेज प्रताप यादव ने अपनी सुरक्षा को लेकर भी बयान दिया।

मुझे बदनाम करने की हो रही साजिश : सीएम मान

चंडीगढ़, (एजेंसी)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने अकाल तख्त द्वारा सोमवार को धार्मिक कदाचार (रिलिजियस मिसकंडक्ट) का दोषी घोषित करार दिए जाने पर सफाई दी। उन्होंने कहा, पिछले दिनों अकाल तख्त के जत्थेदार ज्ञानी कुलदीप सिंह ने एक वीडियो को लेकर कुछ हुकुमनामा जारी किया है। कहा जा रहा है कि यह एआई से बना वीडियो नहीं है लेकिन मुझे अकाल तख्त ने बुलाया था और मैंने साफ कर दिया है कि यह मेरा वीडियो नहीं है। पंजाब के सीएम भगवंत मान ने कहा, ष्वीडियो में दिख रहे व्यक्ति का शरीर और अन्य चीजें उनसे मेल नहीं खातीं। धार्मिक संस्थाओं के ऊंचे पदों पर बैठे लोग अपने राजनीतिक आकाओं के इशारे पर सिर्फ मुझे बदनाम करने के लिए प्रोपेगेंडा चला रहे हैं। मैं गुरु साहिब की शिक्षाओं को ध्यान में रखकर फैसले ले रहा हूं। मैं पंजाब में खेती व किसानों को बचाने के लिए फैसले ले रहा हूं। ऐसा लगता है कि उन्हें मेरे फैसले पच नहीं रहे हैं और इसलिए वे मुझे बदनाम करने के लिए धर्म का इस्तेमाल कर रहे हैं।ष उन्होंने कहा, ष्अकाल तख्त सिखों की सर्वोच्च संस्था है और मैं भी इसे सर्वोच्च मानता हूं। अकाल तख्त पर राजनीतिक नेताओं द्वारा की गई नियुक्तियों के कारण बदले की भावना से फैसले लिए जा रहे हैं और सिख संगत यह सब जानती है। मैं पंजाब के लिए दिन–रात काम करता हूं। जब उन्हें पता चला कि हमने बेअदबी–रोधी कानून बनाया है, जो वे खुद नहीं बना पाए थे ।

भारत ने यूएनएससी में सिर्फ अस्थायी सदस्यता बढ़ाने के सुझाव को ठुकराया

संयुक्त राष्ट, (एजेंसी)। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में सुधार को लेकर जारी वैश्विक चर्चा के बीच भारत ने केवल अस्थायी सदस्य देशों की संख्या बढ़ाने के प्रस्ताव को "विफलता की कगार पर पहुंचा हुआ" बताते हुए खारिज कर दिया है। भारत का कहना है कि विश्व संगठन की सर्वोच्च निर्णय लेने वाली संस्था में सार्थक और व्यापक सुधार की आवश्यकता है, न कि केवल सीमित बदलावों की। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पी. हरीश ने सोमवार को कहा कि स्थायी सदस्यता का विस्तार किए बिना सुधार करने से श्पी5श यानी पांच स्थायी सदस्यों– ब्रिटेन, चीन, फ्रांस, रूस और अमेरिका की निर्णय लेने की संरचना में कोई उल्लेखनीय बदलाव नहीं आएगा। उन्होंने सुरक्षा परिषद सुधार पर अंतर–सरकारी वार्ता (आईजीएन) की बैठक में कहा, "समूहों और सदस्य देशों ने वास्तविक और सार्थक बदलाव के लिए लंबे समय तक इंतजार किया है। यदि सुधार केवल अस्थायी सदस्यता तक सीमित रहा, तो यूएनएससी सुधार विफलता की कगार पर पहुंच जाएगा।" इटली के नेतृत्व वाला यूनाइटिंग फॉर कंसेंसस (यूएफसी) समूह, जिसमें पाकिस्तान भी शामिल है, नए स्थायी सदस्यों को जोड़ने का विरोध करता रहा है। भारत का आरोप है कि यह समूह सुधार प्रक्रिया को आगे बढ़ाने में प्रक्रियागत उपायों का इस्तेमाल कर बाधा उत्पन्न करता है। यूएफसी को अनौपचारिक रूप से 'कॉफी क्लब' भी कहा जाता है। 1990 के दशक में गठित यह समूह संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सीटों के विस्तार का विरोध करता रहा है। यूएफसी की प्रमुख रणनीति यह रही है कि ऐसे वार्ता–पाठ (नेगोशिएटिंग टेक्स्ट) को अपनाने से रोका जाए, जो सुधारों पर ठोस चर्चा का आधार बन सके और प्रक्रिया को आगे बढ़ाने में मदद करे। उनका कहना है कि बातचीत का टेक्स्ट बनने से पहले आम सहमति होनी चाहिए, जो बातचीत से आम सहमति बनने के विचार के बिल्कुल उलट है। भारतीय प्रतिनिधि हरीश ने कहा, "'जब तक हर मुद्दे पर सहमति न बन जाए, तब तक किसी भी मुद्दे पर सहमति नहीं मानी जाएगी' जैसी सोच को प्रगति में बाधा नहीं बनने दिया जाना चाहिए। यूएफसी का नाम लिए बिना उन्होंने कहा, "यथास्थितिवादी पक्षों ने इस तर्क का इस्तेमाल अपने हित में किया है और इस प्रकार सुरक्षा परिषद में मौजूद असमानताओं को और मजबूत किया है।" उन्होंने कहा, "आईजीएन, यूएन की दूसरी प्रक्रिया से बिल्कुल अलग नहीं हो सकता, जहां बातचीत एक टेक्स्ट के आधार पर होती है। इसलिए, हम सह–अध्यक्षों से अपील करते हैं कि वे एक टेक्स्ट बनाने में लीड लें, जिसमें स्पष्ट तौर पर तय माइलस्टोन और टाइमलाइन हों।" पी. हरीश ने कहा कि स्थायी सदस्यता के विस्तार के लिए भारत की निरंतर वकालत का उद्देश्य सुरक्षा परिषद में अधिक संतुलन और समानता लाना तथा पी5 के एकाधिकार को संतुलित करना है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की संरचना में सुधार की आवश्यकता पर बल देते हुए उन्होंने कहा कि वर्तमान व्यवस्था अब भी द्वितीय विश्व युद्ध के बाद की वैश्विक परिस्थितियों को प्रतिबिंबित करती है। उन्होंने कहा कि जहां महासभा संयुक्त राष्ट्र के वास्तविक लोकतांत्रिक सिद्धांतों का प्रतिनिधित्व करती है, वहीं सुरक्षा परिषद अपनी मूल संरचना और कार्यप्रणाली के कारण उससे मौलिक रूप से अलग है। उन्होंने कहा, "चार्टर की मौलिक संरचना के कारण, संयुक्त राष्ट्र महासभा के विपरीत, राज्यों की संप्रभु समानता का सिद्धांत सुरक्षा परिषद में पूर्ण रूप से लागू नहीं होता " आईजीएन के सह–अध्यक्षों द्वारा तैयार किए गए तथाकथित "एलिमेंट्स पेपर" की आलोचना करते हुए हरीश ने कहा कि यह दस्तावेज विभिन्न विचारों को समेकित रूप में प्रस्तुत करने का प्रयास करता है, लेकिन इसमें स्थायी सदस्यता की अवधारणा पर और स्पष्टीकरण की आवश्यकता बताई गई है। उन्होंने संकेत दिया कि ऐसा दृष्टिकोण सुधार प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के बजाय उसे लंबा खींच सकता है। उन्होंने कहा, "इस मुद्दे पर संयुक्त राष्ट्र चार्टर पूरी तरह स्पष्ट है और इसमें किसी प्रकार के भ्रम की गुंजाइश नहीं है।" उन्होंने कहा, "आर्टिकल 23 साफ तौर पर यूएनएससी सदस्यों को दो कैटेगरी में बांटता है।

संपादकीय

निवेशकों के घटते भरोसे

पिछले वित्त वर्ष में सिर्फ एक महीना युद्ध से प्रभावित था। बाकी समय जो हुआ, उससे साफ है कि समस्या की जड़ें निवेश के नए ट्रेंड और भारतीय अर्थव्यवस्था में निवेशकों के घटते भरोसे से है। डॉलर बचाने के लिए सरकारी हलकों में क्यों इतनी बेचैनी फैली है, इसका राज भारतीय रिजर्व बैंक ने बताया है। आरबीआई की वार्षिक रिपोर्ट के मुताबिक 2025–26 में भारत का भुगतान संतुलन 30.8 बिलियन डॉलर घाटे में रहा। सरल भाषा में इसका अर्थ है कि गुजरे वित्त वर्ष में भारत में जितना डॉलर आया, उससे 30.8 बिलियन अधिक डॉलर बाहर गया। ऐसा पूंजीगत खाते पर बढ़े दबाव के कारण हुआ। 2023–24 में विदेशी निवेश, विदेशी ऋण, संपत्ति हस्तांतरण आदि के जरिए 89.4 बिलियन डॉलर भारत आए थे। इस कारण चालू खाते के लगभग 27 बिलियन डॉलर के घाटे के बावजूद भुगतान संतुलन 63.7 बिलियन डॉलर लाभ में रहा। 2024–25 में पूंजीगत खाते में सिर्फ 16.6 बिलियन डॉलर का लाभ रहा। इस कारण भुगतान संतुलन तकरीबन 13 बिलियन डॉलर माइनस में चला गया। 2025–26 में पूंजीगत खाते में लाभ सिर्फ सात करोड़ 20 लाख डॉलर का रहा। उधर चालू खाते में घाटा बढ़ा। नतीजतन, भुगतान संतुलन का घाटा बढ़ गया। इससे साफ है कि पिछले दो वित्त वर्षों में भारत में डॉलर आने की दर तेजी से गिरी है। अतरू इस समय जो संकट आया है, उसका कारण सिर्फ ईरान युद्ध नहीं है। पिछले वित्त वर्ष में सिर्फ एक महीना (मार्च) युद्ध से प्रभावित था। बाकी महीनों में जो हुआ, उससे पुष्टि होती है कि ना सिर्फ विदेशी निवेश का आना कम हो गया है, बल्कि विदेशी निवेशक बड़ी मात्रा में भारत से अपना धन निकाल ले गए हैं। 2025–26 में उन्होंने जितना निवेश भारत में किया, उससे 4.3 बिलियन अधिक डॉलर वे यहां से बाहर ले गए। उधर भारतवासियों में विदेश में अपने धन के निवेश का ट्रेंड बढ़ा है। सोने के आयात में तेज बढ़ोतरी और युद्ध शुरू होने के बाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल, गैस तथा अन्य आयातित वस्तुओं की कीमत में उछाल से समस्या और गहरा गई है। अतरू युद्ध खत्म होने से कुछ राहत मिलेगी, लेकिन बुनियादी दिक्कतें दूर नहीं होंगी। उनकी जड़ें निवेश के नए ट्रेंड और भारतीय अर्थव्यवस्था में घटते भरोसे से है। फिलहाल, ऐसा नहीं लगता कि सरकार के पास इसके समाधान की अंतर्दृष्टि है।

एस आई आर पर सर्वोच्च न्यायालय का फैसला, नागरिकता भी खतरे में

अजय दीक्षित

पूरे देश में चुनाव आयोग द्वारा कराई जा रही मतदाता सूची विशेष गहन परीक्षण (एस आई आर) को सर्वोच्च न्यायालय ने वैध ठहराया है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत के नेतृत्व वाली छह जजों की संविधान पीठ ने चुनाव आयोग को हरी झंडी दे दी है। फैसले में कहा गया है कि जनप्रतिनित्व अधिनियम 1951की अनुच्छेद आठ ए के अनुसार मतदाता सूची में संशोधन करने का अधिकार भारत के निर्वाचन आयोग को है। फैसले में कहा गया है कि मतदाता सूची में नाम बढ़ना घटना निर्वाचन आयोग का क्षेत्राधिकार है। सी जे आई सूर्यकांत ने सी ए ए (नागरिकता) मसले पर कहा कि मतदाता सूची के साथ साथ नागरिकता संशोधन बिल को क्रियान्वयन के लिए केंद्र सरकार एक प्राधिकरण बनाए और यह प्राधिकरण तय करेंगे कि किसकी नागरिकता बैध है । उन्होंने कहा है कि नागरिकता तय करने का अधिकार भारत के गृह मंत्रालय को है । उल्लेखनीय है कि बिहार विधानसभा चुनाव से पूर्व एस आई आर पर एक जनहित याचिका योगेंद्र यादव द्वारा दायर की गई थी और इस मुद्दे पर कांग्रेस, टीएमसी डीएमके,ने बड़ी आपत्ति जताई थी क्योंकि बिहार से 64 लाख मतदाता सूची से नाम पृथक किए गए थे हालांकि इनमें से अधिकतर वे लोग थे जो या तो दूसरे स्थान पर चले गए थे तो मृत हो चुके थे। लेकिन कुछ लोग ऐसे भी थे जो देश के नागरिक ही थे और उन्होंने बड़ी संख्या में असम,बिहार, पश्चिमी बंगाल, पूर्वोत्तर राज्यों में घुसपैठ कर बांग्लादेश, म्यांमार,से आए हैं। एस आई आर में पश्चिमी बंगाल में एक करोड़, उत्तर प्रदेश में दो करोड़,असम में 63 लाख, सहित सभी राज्यों मप्र, राजस्थान, दिल्ली, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक, तेलंगाना,में पचास, पचास लाख से अधिक मतदाता सूची से पृथक हुए।नेता प्रतिपक्ष लोकसभा राहुल गांधी ने बिहार विधानसभा चुनाव से पूर्व वोट चोरी यात्रा भी निकाली थी।डीएमके के स्टालिन ने और पश्चिमी बंगाल की तत्कालीन मुख्यमंत्री ममता ने तो आसमान सिर पर उठा लिया था और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह पर मुस्लिमों को मतदाता सूची से नाम पृथक करने आरोप जड़ दिये थे । निर्वाचन आयोग के मुख्य आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ महाभियोग का नोटिस भी विपक्षी सांसदों ने लोकसभा अध्यक्ष को दिया है। तमाम मीडिया ट्रायल में योगेंद्र यादव, आशुतोष, पुण्य प्रश्नुन वाजपेई, रविश कुमार, और भी कई सौ अधिक प्रेस कलाकारों ने बंगाल विधानसभा चुनाव, बिहार विधानसभा चुनाव असम विधानसभा चुनाव में एस आई आर पर बिना सोचे समझे प्रश्न खड़े कर दिए थे बल्कि इनकी देख देखी जनता में भ्रम की स्थिति उत्पन्न हुई थी। भारतीय जनता पार्टी को कई आरोपों का सामना करना पड़ा लेकिन सर्वोच्च न्यायालय के इस संदेश से कम से कम उन लोगों भ्रम दूर हो जाएगा। राजनीतिक लोग विशेष कर तृणमूल कांग्रेस, कांग्रेस,सपा, डीएमके,के नेताओं को विधानसभा चुनाव निष्पक्ष चश्मे से देखने का संदेश दे दिया है। अगर आज सर्वोच्च न्यायालय अगर यह फैसला नहीं देता तो बिहार विधानसभा चुनाव,बंगाल, तमिलनाडु, केरल, असम, पांडिचेरी हरियाणा, दिल्ली, महाराष्ट्र,के चुनावों पर प्रश्न चिन्ह लग जाता था। जहां तक प्रश्न सी ए ए नागरिकता का है सर्वोच्च न्यायालय ने अभी गेंद भारत सरकार की ओर फेंक दी है। रिटायर्ड जज, नौकरशाह, पूर्व चुनाव आयुक्त की कमेटी तय करेंगे कि नागरिकता तय करने के कौन कौन से नियम होगे । फैसले में नेशनल सिटीजन रजिस्टर बनाने की प्रक्रिया को भी तेज करने के आदेश केंद्रीय गृह मंत्रालय को दिए हैं। भारत सॉलिसिटर जनरल ने सर्वोच्च न्यायालय से एक माह का समय मांगा है। गृह मंत्रालय के सूत्रों ने बताया है कि सरकार अब नागरिकता को लेकर सतर्क है।जिन लोगों को मतदाता सूची से पृथक किया गया है उनकी नागरिकता समाप्त होने के अंदेशा है। क्योंकि गृह मंत्रालय को एनआरसी बनाना है।दरअसल इस देश आजादी बाद से नागरिकता, घुसपैठ, चकमा घुसपैठ,पर कभी कोई ध्यान नहीं दिया बल्कि कांग्रेस,ने असम, पश्चिमी बंगाल,बिहार दिल्ली में घुसपैठियों को बसाया और अब 15 वर्ष पहले इनको वोट की खातिर वोटर लिस्ट में शामिल किया और वोटिंग कार्ड, आधार कार्ड मुहैया करवाने का काम किया।बताया जाता है कि तीन करोड़ अवैध नागरिक है पूरे देश में जिसमें एक करोड़ तो बंगाल में ही हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी चाहते हैं कि मतदाता सूचियों के साथ साथ, नागरिकता संशोधन भी हो । सरकार के समक्ष परमानेंट राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एन आर सी) हो जिससे नीति आयोग को पूरे देश में योजनाओं को लागू करना सुविधा जनक हो। स्व चलित मतदाता सूची हो जन्म और मृत्यु का पंजीयन हो । नागरिक की आयु 18 वर्ष होने पर स्वत ही मतदाता बन जाए।

रिकॉर्ड के मोर्चे पर कौन भारी, कौन कमजोर

उमेश

इस बार 11 जून की तारीख भारतीय इतिहास के लिए विशेष बनकर आई। इसी दिन निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी ने सबसे ज्यादा दिन शासन चलाने का रिकॉर्ड कायम कर दिया। इसके पहले निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में सबसे ज्यादा 4398 दिन प्रधानमंत्री रहने का रिकॉर्ड देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू के नाम है। मौजूदा दौर विशेषकर विजुअल मीडिया के वर्चस्व का दौर है। विजुअल मीडिया की चूंकि उत्सवधर्मिता केंद्रित है, लिहाजा इस रिकॉर्ड को लेकर सत्ता पक्ष में उत्साह का माहौल होना ही था और ऐसा है भी। लेकिन इसे लेकर आलोचनाओं की बाढ़ भी आ गई है। विशेषकर प्रगतिशील खेमे से मोदी के इस रिकॉर्ड को लेकर तंज में आलोचनाएं की जा रही हैं। इन आलोचनाओं का भाव कुछ वैसे ही है, जैसे कहां राजा भोज, कहां गंगू तेली। आलोचकों की नजर में कहावत के राजा भोज नेहरू हैं और गंगू मोदी। प्रधानमंत्री मोदी ने कुछ अरसा पहले संसद को संबोधित करते हुए देश के विकास में अतीत के हर प्रधानमंत्री के योगदान को याद किया था। इतिहास क्रम में हर प्रधानमंत्री ने कुछ न कुछ योगदान दिया ही है। हर प्रधानमंत्री की युगीन आवश्यकताएं और परिस्थितियां अलग रही हैं। इसलिए अव्वल तो ऐसी तुलनाएं होनी ही नहीं चाहिए थी। क्योंकि नेहरू के युग में भारत की जो स्थिति थी, वह अब नहीं है। इतिहास का कोई खंड कठिन होता है तो कोई आसान। इसलिए इतिहास के काल खंड की बुनियाद पर उस दौर के शासक की परख होनी चाहिए। इसका मतलब यह नहीं कि भविष्य का शासक अपनी उपलब्धियों का जश्न नहीं मना सकता। प्रधानमंत्री मोदी को लेकर जिस तरह का राजनीतिक माहौल स्थापित हो चुका है, उसमें अगर प्रगतिशील खेमा और कांग्रेस की आलोचना के केंद्र में मोदी ना रहें तो ही हैरत होगी। प्रगतिशील खेमा मोदी को कमतर दिखाने की कोशिश में नेहरू को सबसे ज्यादा दिनों तक प्रधानमंत्री दिखाने की कोशिश कर रहा है। इस आलोक में इतिहास के तथ्यों को जांचना जरूरी है। इसमें दो राय नहीं कि जब 15 अगस्त 1947 को देश को आजादी मिली, तब पंडित जवाहर लाल नेहरू ने ही देश के पहले प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली थी। लेकिन वह किसी एक दल विशेष यानी कांग्रेस की ही सरकार नहीं थी, बल्कि एक तरह से वह राष्ट्रीय सरकार थी, जिसमें अंबेडकर भी थे और श्यामाप्रसाद मुखर्जी भी। द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति के बाद ऐसा लगने लगा था कि भारत को आजादी मिल जाएगी। इस बीच ब्रिटेन में लेबर पार्टी की सरकार बनी और लॉर्ड एटली प्रधानमंत्री बने। एटली ने चुनावी वादा किया था कि अगर उनकी पार्टी की सरकार बनी तो भारत को स्वाधीनता दी जाएगी। जब उन्होंने ब्रिटेन की कमान संभाल ली तो उन्होंने भारत को आजादी देने की प्रक्रिया तेज कर दी। इसी सिलसिले में 1946 में कैबिनेट मिशन भारत आया। मिशन के सामने सवाल यह था कि सत्ता का हस्तांतरण किसे किया जाएगा, क्योंकि उन दिनों भारत में दो बड़े और प्रमुख दल थे, कांग्रेस और मुस्लिम लीग। लेकिन सत्ता किसे सौंपी जाए, इस सवाल के साथ ही भारत की भावी सरकार और विधान को तैयार करने के लिए संविधान सभा का चुनाव 1946 में हुआ। इस चुनाव में कांग्रेस को 208 और मुस्लिम लीग को 73 सीटें मिलीं। दूसरे दलों और निर्दलीयों को 15 सीटें मिली थीं। इसके पहले प्रांतीय विधानसभाओं के चुनाव हुए थे, जिसमें कांग्रेस को 923 और मुस्लिम लीग को 425 सीटें मिली थीं। कांग्रेस को सामान्य सीटों के नब्बे प्रतिशत हिस्से पर जीत मिली, मुस्लिम बहुल 87 प्रतिशत सीटों पर मुस्लिम लीग को जीत मिली। इसके बाद सबसे बड़ा दल होने के नाते कांग्रेस को ही सत्ता हस्तांतरण होना तय हुआ। इस दौरान कांग्रेस अध्यक्ष का महत्व बढ़ गया। उन दिनों कांग्रेस के अध्यक्ष पद के लिए अधिकांश प्रांतीय समितियों ने सरदार पटेल का नाम आगे किया था, जबकि कुछ ही प्रांतीय कांग्रेस समितियों ने जवाहर लाल नेहरू का नाम आगे किया। चूंकि गांधी जी

पहले ही कह चुके थे कि उनके बाद जवाहर उनकी भाषा बोलेगा यानी सत्ता उन्हें मिलेगी, इसलिए वे ही अध्यक्ष बनाए गए। इसके बाद सत्ता हस्तांतरण प्रक्रिया के तहत 2 सितंबर 1946 को श्अंतरिम सरकारश् का गठन हुआ, जिसमें नेहरू जी को श्वायसराय की कार्यकारी परिषद का उपाध्यक्षश बनाया गया, उस पद का नाम प्रधानमंत्री नहीं था। इसे अंतरिम सरकार कहा गया। भले ही कुछ लोग सुविधा के लिए नेहरू के प्रधानमंत्रित्व काल को उसी दिन से मान लेते हैं। यहां याद करना जरूरी है कि वायसराय की कार्यकारी परिषद के पदेन अध्यक्ष खुद वायसराय लॉर्ड वेवेल थे। उनके बाद आए वायसराय माउंटबेटन इसके अध्यक्ष रहे। देश को स15 अगस्त 1947 को भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम 1947ष् के तहत देश को आजाद घोषित किया गया। इस कानून के मूल पाठ में कहीं भी प्राइम मिनिस्टर या प्रधानमंत्री शब्द नहीं लिखा हुआ है। हालांकि पंद्रह अगस्त 1947 की आधी रात को नेहरू ने स्वाधीन सरकार के मंत्री के रूप में शपथ ली, भले ही वे उसके मुखिया थे। नेहरू ने अंग्रेजी में शपथ लेते हुए 'ऑफिस ऑफ मिनिस्टर' यानी मंत्री पद की शपथ ली थी, प्रधानमंत्री पद की नहीं। इसके बाद ही उन्होंने 'नियति से साक्षात्कार' वाला प्रसिद्ध भाषण दिया था। यहां याद करना चाहिए कि भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम के तहत तत्कालीन गवर्नर–जनरल को ब्रिटिश सम्राट के प्रतिनिधि के रूप में दोनों उपनिवेशों भारत और पाकिस्तान का संवैधानिक प्रमुख नियुक्त किया गया था। जिन्हें सलाह देने और शासन चलाने के लिए एक मंत्रि परिषद का प्रावधान था। इस प्रावधान में प्रधानमंत्री या प्रीमियर या प्राइम मिनिस्टर का कोई पद नहीं है। गवर्नर–जनरल को इसी मंत्रि परिषद की सलाह पर शासन चलाना था। मोदी को सबसे लंबे समय तक बतौर निर्वाचित प्रधानमंत्री काम करने के रिकॉर्ड को गलत साबित करने वाला प्रगतिशील तबके का तर्क है कि 1946 के चुनावों में कांग्रेस सबसे बड़ा दल बन कर उभरी और उसके निर्वाचित नेता के तौर पर नेहरू ने सरकार चलाई। लेकिन हकीकत यह है कि 1946 का चुनाव वयस्क मतदान के अधिकार और एक व्यक्ति, एक वोट के सिद्धांत के तहत नहीं हुआ था। तब वोटर होने की शर्त संपत्ति, शिक्षा, कर भुगतान आदि था। मुसलमान सिर्फ मुस्लिम बहुल सीटों के ही मतदाता थे। एक तरह से यह सार्वभौम वयस्क मतदान के अधिकार से रहित चुनाव था। इसलिए सही मायने में 1946 का चुनाव ना तो समानता और वयस्क मतदान के अधिकार से लैस था, न ही पूरे देश के मतदाताओं का प्रतिबिंब था। एक तरह से कहें तो यह सिर्फ दस प्रतिशत लोगों के मतदान की बुनियाद पर हुआ चुनाव था। जिसमें हर वयस्क की भागीदारी नहीं थी। उन दिनों धार्मिक आधार पर अलग–अलग निर्वाचन क्षेत्र भी थे। इसलिए 1946 का चुनाव सही मायने में संतुलित मतदान नहीं था। स्वाधीन भारत में पहला आम चुनाव 1951–52 के बीच हुआ। जिसमें कांग्रेस को 364 सीटें मिलीं। इसी नतीजे के आधार पर पंडित नेहरू ने 13 मई 1952 को प्रधानमंत्री पद की शपथ ली और 27 मई 1964 को मृत्यु पर्यंत अपने पद पर रहे।

मोदी की फ्रांस, स्लोवाकिया यात्रा से बदले वैश्विक समीकरण, दुनिया को दिखा नए भारत का दम

नीरज

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की फ्रांस और स्लोवाकिया यात्रा ने पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। खासतौर पर फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने मोदी का स्वागत जिस धुरंधर स्टाइल में किया, उसने दुनिया को साफ संदेश दे दिया कि मोदी वैश्विक राजनीति के सबसे बड़े धुरंधरों में गिने जाते हैं। इस यात्रा के दौरान यूरोप की धरती पर भारत की बढ़ती ताकत और मोदी की वैश्विक लोकप्रियता हर तरफ दिखाई दी। फ्रांस से लेकर स्लोवाकिया तक भारतीय समुदाय ने अपने प्रधानमंत्री का जिस उत्साह, जोश और भारतीय अंदाज में स्वागत किया, उसकी गूंज पूरी दुनिया में सुनाई दी। हाथों में तिरंगा, भारत माता के जयकारे और सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने यह दिखा दिया कि दुनिया भर में बसे भारतीय आज अपने देश की बढ़ती प्रतिष्ठा पर गर्व महसूस कर रहे हैं। यही वजह है कि मोदी की यह यात्रा केवल एक विदेशी दौरा नहीं रही, बल्कि दुनिया के सामने नए और शक्तिशाली भारत का दमदार प्रदर्शन बन गई। देखा जाये तो यूरोप की धरती पर मोदी का स्वागत जिस गर्मजोशी, रणनीतिक सम्मान और राजनीतिक विश्वास के साथ हुआ, उसने दुनिया को यह संदेश दिया

कि बदलती वैश्विक व्यवस्था में भारत की भूमिका निर्णायक होती जा रही है। विशेष रूप से फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा को जिस तरह भारतीय रंग दिया, वह भारत की बढ़ती सांस्कृतिक और रणनीतिक ताकत की स्वीकारोक्ति थी। सोशल मीडिया पर साझा किए गए वीडियो, मोदी और मैक्रों की आत्मीयता और नाइस में आयोजित भारत इनोवेट्स सम्मेलन ने यह साबित किया कि भारत और फ्रांस का रिश्ता अब केवल हथियार खरीद तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह तकनीक, नवाचार, अंतरिक्ष, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और वैश्विक नेतृत्व की साझेदारी में बदल चुका है। मोदी और मैक्रों की बैठक में जो सबसे महत्वपूर्ण संदेश उभरा, वह था रक्षा सहयोग का नया प्रारूप। भारत ने साफ कर दिया कि अब वह केवल विदेशी हथियारों का खरीदार नहीं रहेगा। राफेल कार्यक्रम को लेकर भारत ने सह विकास, सह डिजाइन, सह उत्पादन और सह निर्माण की नीति अपनाकर अपनी रणनीतिक दिशा स्पष्ट कर दी है। विदेश सचिव विक्रम मिस्री का बयान इस बात का संकेत है कि मोदी सरकार रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को निर्णायक रूप से आगे बढ़ा रही है। देखा जाये तो राफेल केवल एक युद्धक विमान नहीं है बल्कि यह भारत की सामरिक शक्ति का प्रतीक बन चुका है। भारतीय वायुसेना के पास पहले से मौजूद 36 राफेल विमानों ने दक्षिण एशिया में शक्ति संतुलन को बदल दिया है। अब भारतीय नौसेना के लिए 26 राफेल समुद्री विमानों का समझौता और भविष्य में बड़े राफेल कार्यक्रम की तैयारी यह दिखाती है कि भारत हिंद महासागर से लेकर हिमालय तक अपनी सैन्य क्षमता को नई ऊंचाई पर ले जा रहा है। इन विमानों की लंबी दूरी तक मार करने की क्षमता, अत्याधुनिक सेंसर प्रणाली और बहु भूमिका युद्ध कौशल भारत को चीन और पाकिस्तान दोनों के खिलाफ निर्णायक बढ़त देते हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि अब राफेल का निर्माण और उसके पुर्जों का उत्पादन भारत में करने की दिशा में बातचीत आगे बढ़ रही है। इसके जरिये भारत विश्व का प्रमुख रक्षा विनिर्माण केंद्र बन सकता है। इससे न केवल लाखों कुशल रोजगार पैदा होंगे बल्कि भारत का रक्षा औद्योगिक ढांचा भी मजबूत होगा। यह बदलाव दक्षिण एशिया की सामरिक राजनीति पर गहरा प्रभाव डालेगा। अब तक हथियार आयात पर निर्भर भारत धीरे धीरे रक्षा निर्यातक राष्ट्र बनने की दिशा में बढ़ रहा है। इससे क्षेत्रीय शक्ति संतुलन भारत के पक्ष में और अधिक झुकता दिखाई देगा। साथ ही फ्रांस के साथ भारत की साझेदारी केवल रक्षा तक सीमित नहीं है। दोनों देशों ने अगले पांच वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करने का लक्ष्य तय किया है। भारत फ्रांस नवाचार रोडमैप 2030, कृत्रिम बुद्धिमत्ता कार्य समूह, आर्थिक सुरक्षा संवाद और महत्वपूर्ण खनिजों की आपूर्ति श्रृंखला पर सहयोग जैसे फैसले इस बात का संकेत हैं कि दोनों देश आने वाले दशकों की वैश्विक अर्थव्यवस्था और तकनीकी प्रतिस्पर्धा को साथ मिलकर आकार देना चाहते हैं। नाइस में आयोजित भारत इनोवेट्स सम्मेलन इस यात्रा का सबसे प्रतीकात्मक क्षण साबित हुआ। एक सौ बीस से अधिक भारतीय डीप टेक स्टार्टअप, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों की भागीदारी और वैश्विक निवेशकों की मौजूदगी ने यह साबित कर दिया कि भारत अब केवल बाजार नहीं, बल्कि नवाचार का वैश्विक केंद्र बन चुका है। मोदी ने सही कहा कि भारत और फ्रांस का रिश्ता केवल हितों का नहीं, बल्कि साझा दृष्टि का रिश्ता है। मैक्रों द्वारा भारत की चंद्रयान उपलब्धि और नवाचार क्षमता की खुली प्रशंसा इस बात का प्रमाण है कि विश्व अब भारत को तकनीकी महाशक्ति के रूप में देखने लगा है। फ्रांस यात्रा का एक और महत्वपूर्ण पहलू था अंतरिक्ष और परमाणु ऊर्जा सहयोग। छोटे और उन्नत परमाणु रिएक्टरों पर सहयोग तथा मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम में साझेदारी भारत को भविष्य की रणनीतिक तकनीकों में अग्रणी स्थान दिला सकती है। यही कारण है कि भारत फ्रांस संबंध अब पारंपरिक कूटनीति से निकलकर भविष्य की वैश्विक व्यवस्था की धुरी बनते दिख रहे हैं। फ्रांस के बाद प्रधानमंत्री मोदी की स्लोवाकिया यात्रा ने भारत की यूरोपीय रणनीति को और गहराई दी। यह किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली स्लोवाकिया यात्रा थी और इसी तथ्य ने इसे ऐतिहासिक बना दिया। ब्रातिस्लावा में प्रधानमंत्री राबर्ट फिस्तो और राष्ट्रपति पीटर पेलेग्रिनी के साथ हुई बैठकों ने यह स्पष्ट कर दिया कि भारत अब यूरोप के छोटे लेकिन रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण देशों के साथ भी मजबूत संबंध बना रहा है। भारत और स्लोवाकिया के बीच संबंधों को व्यापक साझेदारी का दर्जा दिया जाना एक महत्वपूर्ण रणनीतिक कदम है। यह मध्य यूरोप में भारत की बढ़ती उपस्थिति का संकेत है। वाहन निर्माण, रेलवे उत्पादन, निवेश, उभरती तकनीक और व्यापार के क्षेत्रों में सहयोग भारत को यूरोपीय संघ के भीतर नई आर्थिक और रणनीतिक पहुंच देगा। विशेष रूप से भारत यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते को शीघ्र लागू करने की दिशा में सक्रिय दिख रहा है, जिसका लाभ भारतीय उद्योग और निर्यात को मिलेगा। देखा जाये तो मोदी की यह पूरी यूरोपीय यात्रा दरअसल भारत की बहुस्तरीय कूटनीति का उदाहरण है। एक ओर फ्रांस जैसे शक्तिशाली राष्ट्र के साथ रक्षा और तकनीकी गठजोड़ को नई ऊंचाई दी जा रही है, वहीं दूसरी ओर स्लोवाकिया जैसे देशों के माध्यम से यूरोप में भारत का प्रभाव क्षेत्र विस्तारित किया जा रहा है। यह नीति भारत को ग्लोबल साउथ और पश्चिमी शक्तियों के बीच एक संतुलित, विश्वसनीय और प्रभावशाली शक्ति के रूप में स्थापित कर रही है।

नए भारत के दिल की धड़कनों में बसते हैं बिरसा

श्रीमती रंजना चोपड़ा

भारत जब अपने स्वतंत्रता संग्राम के महान सेनानियों को याद करता है तब छोटानागपुर के जंगलों से एक नाम अपनी दृढ़ नैतिक ताकत के साथ उभरता है। यह नाम भगवान बिरसा मुंडा का है जिन्हें श्धरती आबाश यानी भूमि के रक्षक के रूप में पूजा जाता है। वह एक ऐतिहासिक हस्ती से आगे बढ़ कर गरिमा, प्रतिरोध और जनजातीय आत्मसम्मान के जीवंत प्रतीक भी हैं। उनकी सोच थी कि जनजातीय पहचान की रक्षा की जाए, समानता सार्थक हो और विकास आम जन तक न्याय के साथ पहुंचे। उनका यह सिद्धांत अब भी विकसित भारत की ओर देश की यात्रा को निर्देशित करता है। राष्ट्र ने पिछले 12 वर्षों में समावेशी विकास पर नए सिरे से बल दिया है। बिरसा मुंडा के सिद्धांत आज भी नए भारत की नीतियों, शासन और आकांक्षाओं को आकार दे रहे हैं। विरासत को मिला उसका सही स्थान भगवान बिरसा मुंडा की विरासत देश भर में जनजातीय समुदायों के गीतों, आख्यानों, सामुहिक यादों में लंबे समय से जिंदा है। माननीय प्रधानमंत्री ने 2021 में बिरसा मुंडा के जन्म दिवस 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस घोषित कर उनकी विरासत को राष्ट्रीय मान्यता दी। इस मान्यता को और गहराई देते हुए बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर 15 नवंबर 2024 से 15 नवंबर 2025 तक जनजातीय गौरव वर्ष मनाया गया। इस दौरान जनजातीय गौरव और विरासत के जश्न में समूचे राष्ट्र में 2 लाख से ज्यादा कार्यक्रम आयोजित किए गए जिनकी पहुंच 3 करोड़ से अधिक नागरिकों तक रही। देश भर में, इन आयोजनों ने जनजातीय जीवन की समृद्धि और विविधता को प्रदर्शित किया। नागालैंड के हॉर्नबिल महोत्सव और केरल के जनजातीय साहित्यिक महोत्सव से लेकर, झारखंड के राष्ट्रीय जनजातीय फिल्म महोत्सव और तेलंगाना की कैनो स्प्रिंट चौम्पियनशिप (डोंगी चालन प्रतियोगिता) तक, इन कार्यक्रमों ने जनजातीय संस्कृति, रचनात्मकता, खेल और लोककथाओं को राष्ट्रीय पटल पर खड़ा किया। कुल मिलाकर, इनमें अलग–अलग संस्कृतियों और समुदायों का प्रतिनिधित्व करने वाले 11 लाख से अधिक जनजातीय नागरिकों की भागीदारी देखी गई। ये आयोजन इस बात की घोषणा थे कि आधुनिक भारत को आकार देने में जनजातीय विरासत एक जीवंत और सक्रिय शक्ति है। जनजातीय सशक्तिकरण और समावेशन की दिशा में पिछले बारह वर्षों के निरंतर और केंद्रित राष्ट्रीय प्रयासों को आगे बढ़ाते हुए, जनजातीय गरिमा उत्सव 2026 इस गति को चार विषयगत सप्ताहों के माध्यम से आगे ले जा रहा है, जो मिलकर जनजातीय विकास के संपूर्ण आयाम को दर्शाते हैं। विशेष रूप से इसका तीसरा सप्ताह भारत के भविष्य से जुड़े एक बेहद महत्वपूर्ण प्रश्न पर केंद्रित हैरू हम उन व्यक्तियों और समुदायों को कैसे पहचानें जिन्होंने इस राष्ट्र को आकार दिया और हम आने वाली पीढ़ी को उस विरासत को आगे बढ़ाने के लिए कैसे सशक्त बनाएं? इतिहास में विस्मृत नामों की पुनर्स्थापना इस प्रश्न का उत्तर तलाशने की शुरुआत उन अनेक जनजातीय नायकों को पहचान देने से होती है, जिनका योगदान बहुत लंबे समय तक मुख्यधारा के ऐतिहासिक आख्यानों से गायब रहा। देश के जनजातीय क्षेत्रों में, शिक्षकों, कलाकारों, पारंपरिक चिकित्सकों और समाज सुधारकों की पीढ़ियों ने इन समुदायों को संजो कर रखा है और उनकी सांस्कृतिक पहचान को जीवित रखा है। उनकी कहानियाँ भारत की राष्ट्रीय स्मृति में एक सही और न्यायसंगत स्थान की हकदार हैं और उनके इन योगदानों को दस्तावेजों में दर्ज करने तथा उन्हें याद रखने के निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। देश भर के जनजातीय अनुसंधान संस्थान (टीआरआई) मौखिक इतिहास का दस्तावेजीकरण करने, स्वदेशी ज्ञान प्रणालियों को रिकॉर्ड करने और जनजातीय भाषाओं व सांस्कृतिक परंपराओं को संरक्षित करने के प्रयास में एक केंद्रीय भूमिका निभा रहे हैं। वर्तमान में, 26 राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों के 29 जनजातीय अनुसंधान संस्थान इस कार्य में जुटे हुए हैं, जिसके तहत 222 जनजातीय भाषाओं में 355 का प्रारंभिक दस्तावेजीकरण किया जा चुका है। ये प्रयास भावी पीढ़ियों के लिए अमूल्य सांस्कृतिक ज्ञान को संजोकर रखने में मदद कर रहे हैं। राष्ट्रीय विमर्श में जनजातीय आवाजों को फिर से स्थापित करने का प्रयास जनजातीय स्वतंत्रता सेनानी संग्रहालयों के माध्यम से भी आकार ले रहा है, जिनकी परिकल्पना स्मृति और पहचान के स्थलों के रूप में की गई है। जनजातीय कार्य मंत्रालय ने भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में जनजातीय समुदायों की भूमिका को सम्मानित करने के लिए 10 राज्यों में ऐसे 11 संग्रहालयों को मंजूरी दी है। इनमें से चार संग्रहालयों का उद्घाटन पहले ही किया जा चुका है, जिनमें रांची में भगवान बिरसा मुंडा और नवा रायपुर में शहीद वीर नारायण सिंह को समर्पित संग्रहालय शामिल हैं। इन संस्थानों के जरिए जनजातीय वीरों की गाथाओं के दस्तावेजीकरण और उन पर आधारित कार्यक्रमों के आयोजन से इन्हें भारत की सामूहिक ऐतिहासिक याद में स्थाई रूप से पिरोया जा रहा है। अतीत को सम्मानित करने के साथ ही, यह यात्रा स्वाभाविक रूप से वर्तमान पीढ़ी को सशक्त बनाने की ओर बढ़ती है। यह बदलाव उन जनजातीय छात्रों की बढ़ती संख्या में सबसे स्पष्ट रूप से दिखाई देता है, जिन्हें मंत्रालय के छात्रवृत्ति कार्यक्रमों का लाभ मिल रहा है। अकेले चालू वर्ष में ही, पांच छात्रवृत्ति योजनाओं के तहत 26,01,979 जनजातीय छात्रों को सहायता प्रदान की गई है, जिसके लिए कुल 3825.54 करोड़ रुपये का बजटीय प्रावधान किया गया है। इनमें से कई छात्र अपने परिवारों में उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले पहले व्यक्ति हैं, जो न केवल अपनी व्यक्तिगत आकांक्षाओं को, बल्कि पूरे समुदाय की आशाओं को आगे बढ़ा रहे हैं। विशेष बात यह है कि वर्तमान छात्रवृत्ति लाभार्थियों में से 56त्न से अधिक महिलाएं हैं। एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों (ईएमआरएस) का विस्तार भी शिक्षा तक पहुँच और अवसरों के प्रति इसी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। स्वीकृत ईएमआरएस संस्थानों की संख्या वर्ष 2013–14 के 167 से बढ़कर वर्ष 2025–26 में 723 हो गई है, जो 330त्न से अधिक की वृद्धि है – जबकि इसी अवधि के दौरान पहले से चल रहे स्कूलों की संख्या 123 से बढ़कर 499 हो गई है। छात्रों के नामांकन में भी उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है, जो 0.34 लाख से बढ़कर 1.56 लाख छात्र हो गई है। जनजातीय क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण आवासीय शिक्षा प्रदान करके, ईएमआरएस संस्थान मजबूत शैक्षिक नींव तैयार करने और देश भर के जनजातीय बच्चों के लिए अवसरों का विस्तार करने में मदद कर रहे हैं। ये आंकड़े केवल योजनाओं के विस्तार को ही नहीं दर्शाते बल्कि ये एक बड़े संरचनात्मक बदलाव का प्रतिनिधित्व करते हैं। छात्रवृत्तियों और फेलोशिप वास्तव में आत्मविश्वास, प्रतिनिधित्व और नेतृत्व में किया जाने वाला निवेश हैं। हमारी प्रतिबद्धता अडिग हैरू किसी भी आदिवासी शिक्षार्थी को भौगोलिक स्थिति, पृष्ठभूमि या शिक्षण संस्थानों तक सीमित पहुँच के कारण अवसरों से वंचित नहीं किया जाना चाहिए।

अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद ने किया विशाल भंडारे का आयोजन

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ।बड़ा मंगल को अवध प्रान्त अध्यक्ष लेफ्टिनेंट कर्नल बीरेंद्र सिंह तोमर की तरफ से तेलीबाग हनुमान मंदिर में भंडारा आयोजित किया गया।भन्डारे में उपस्थित भक्तों को लेफ्टिनेंट कर्नल बीरेंद्र सिंह तोमर सपत्नीक सुन्दर काण्ड की किताब वितरित किए। भक्तों में लेफ्टिनेंट कर्नल बिरेंद्र सिंह तोमर, स्व. मेजर जनरल एन वी सिंह की धर्मपत्नी श्रीमती मंजू

सिंह, सुबेदार अशोक कुमार पाण्डेय, सुबेदार मेजर, सुबेदार आर सी त्रिपाठी, सुबेदार कामता सिंह, भ्ब्ंवज विनोद सिंह, सुबेदार अभय मिश्रा के अलावा काफी मात्रा में पुर्व सैनिक उपस्थित रहे।

युवक ने वाहनों पर किया पथराव, बाइक सवार घायल

लखनऊ, (संवाददाता)। बंथरा में सोमवार तड़के उन्नाव के असोहा निवासी विद्युत वैश्य ने सड़क पर हंगामा किया। उसने लोगों पर पथराव किया, जिससे बाइक सवार युवक घायल हो गया। विद्युत घायल युवक की बाइक लेकर भाग निकला। युवक की पत्नी ने विद्युत वैश्य के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है। बंथरा पुलिस ने तीन घरवालों को हिरासत में लिया है। सरोजनीनगर की राम विहार कॉलोनी निवासी कल्पना ने बताया कि उनके पति राममोहन सोमवार तड़के 4रू30 बजे अपनी कंपनी से काम के बाद घर आ रहे थे। वह बंथरा स्थित हनुमान मंदिर के पास पहुंचे थे। तभी विद्युत वैश्य अपनी कार से उतरकर पथराव करने लगा। इससे राममोहन जख्मी हो गए। साथ ही कई वाहन भी क्षतिग्रस्त हुए। लोगों ने घटना की जानकारी पुलिस को दी। इस बीच विद्युत पति की बाइक लेकर भाग निकला। मौके पर पहुंची पुलिस ने कार सवार विद्युत के घरवालों अरमान, सरोज कुमार और कार चालक अशोक कुमार को हिरासत में लिया। बाद में असोहा पुलिस ने विद्युत को भी हिरासत में ले लिया।

स्कॉर्पियो पर ताबड़तोड़ फायरिंग मामले में बड़ी गिरफ्तारी

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी के गोमतीनगर विस्तार क्षेत्र में स्कॉर्पियो सवार युवकों पर जानलेवा फायरिंग करने के चर्चित मामले में पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। थाना गोमतीनगर विस्तार पुलिस ने वाराणसी में छापेमारी कर मामले के एक वांछित आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपी पर पहले से हत्या जैसे गंभीर अपराध का मुकदमा भी दर्ज है। पुलिस की इस कार्रवाई को घटना में शामिल अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान की महत्वपूर्ण कड़ी माना जा रहा है।पुलिस के अनुसार 5 जून 2026 को खरगापुर निवासी शुभम त्रिपाठी ने थाना गोमतीनगर विस्तार में शिकायत दर्ज कराई थी कि कुछ लोगों ने उनकी तथा उनके मित्र अमित सिंह, अभिषेक मिश्रा, मिहिर सिंह और अमन सिंह की स्कॉर्पियो पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग की थी। आरोपियों ने वाहन पर कई राउंड गोलियां चलाईं, जिससे स्कॉर्पियो क्षतिग्रस्त हो गई। घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल पैदा हो गया था।मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने तत्काल मुकदमा संख्या 104ध्2026 धारा 109 एवं 324(4) बीएनएस के तहत राहुल सिंह और अन्य तीन लोगों के खिलाफ अभियोग पंजीकृत किया। इसके बाद पुलिस ने आरोपियों की तलाश में कई स्थानों पर दबिश दी और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर जांच को आगे बढ़ाया।विवेचना के दौरान वाराणसी निवासी नीरज पाण्डेय का नाम प्रकाश में आया। इसके बाद उसकी गिरफ्तारी के लिए विशेष टीम का गठन किया गया। गोमतीनगर विस्तार पुलिस टीम वाराणसी पहुंची और थाना सिगरा पुलिस के सहयोग से तकनीकी निगरानी तथा स्थानीय सूचनाओं के आधार पर आरोपी की तलाश शुरू की। पुलिस ने छित्तुपुर स्थित उसके आवास पर दबिश देकर उसे गिरफ्तार कर लिया।गिरफ्तार आरोपी नीरज पाण्डेय पुत्र दयानन्द पाण्डेय, नई पोखरी पिशाच मोचन, छित्तुपुर वाराणसी का निवासी है और उसकी उम्र लगभग 36 वर्ष बताई गई है। पुलिस जांच में यह भी सामने आया है ।

नाबालिग को बहला–फुसलाकर बिहार ले गया युवक गिरफ्तार

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी के गुडम्बा थाना क्षेत्र से लापता हुई 17 वर्षीय किशोरी को पुलिस ने सकुशल बरामद कर लिया है। मामले में नाबालिग को बहला–फुसलाकर अपने साथ ले जाने के आरोप में एक युवक को बिहार के वैशाली जनपद से गिरफ्तार किया गया है। सर्विलांस सेल की मदद और लगातार की गई पुलिस कार्रवाई के बाद यह सफलता हासिल हुई। आरोपी के विरुद्ध विधिक कार्रवाई की जा रही है।पुलिस के अनुसार 10 मई 2026 को किशोरी की मां ने गुडम्बा थाने में तहरीर देकर बताया था कि उनकी नाबालिग पुत्री बिना किसी सूचना के घर से चली गई है और वापस नहीं लौटी है। शिकायत के आधार पर थाना गुडम्बा में मुकदमा संख्या 196ध्2026 धारा 137(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया। प्रकरण की विवेचना उपनिरीक्षक दिवाकर सरोज द्वारा की जा रही थी।मामले की जांच के दौरान पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों और सर्विलांस की सहायता ली। जांच में किशोरी और एक संदिग्ध युवक की लोकेशन बिहार के वैशाली जनपद में मिली। इसके बाद उपनिरीक्षक दिवाकर सरोज, उपनिरीक्षक जय बहादुर राय, आरक्षी रघुवीर यादव और महिला आरक्षी ऋचा सिंह की टीम को किशोरी की बरामदगी के लिए बिहार रवाना किया गया।

पत्नी की मौत और बीमारी से टूटे अधेड़ ने नीम के पेड़ से लगाई फांसी

लखनऊ, (संवाददाता)। काकोरी थाना क्षेत्र के बहरू गांव में सोमवार को एक दर्दनाक घटना सामने आई, जहां 55 वर्षीय एक अधेड़ का शव गांव के बाहर नहर किनारे स्थित नीम के पेड़ से लटका मिला। घटना की जानकारी मिलते ही क्षेत्र में सनसनी फैल गई और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर एकत्र हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच–पड़ताल की। प्रारंभिक जांच में मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है।पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान संतकुमार धानुक पुत्र स्वर्गीय मंगली, निवासी ग्राम बहरू, थाना काकोरी के रूप में हुई है। सोमवार को ग्रामीणों ने गांव के बाहर नहर के किनारे स्थित एक नीम के पेड़ पर उनका शव फांसी के फंदे से लटका देखा। इसके बाद तत्काल पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची ।

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के रज्जू भैया संस्थान के निदेशक बने प्रो. मिथिलेश सिंह

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के रज्जू भैया संस्थान के निदेशक पद का कार्यभार प्रो. मिथिलेश सिंह ने बुध ावार को ग्रहण कर लिया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। परीक्षा नियंत्रक डॉ. विनोद सिंह तथा वित्त अधिकारी श्री आत्म प्रकाश धर द्विवेदी ने भी प्रो. मिथिलेश सिंह को शुभकामनाएं देते हुए उनके नेतृत्व में संस्थान के विकास और नई उपलब्धियों की उम्मीद जताई। कार्यभार ग्रहण करने के बाद अपने संबोधन में प्रो. मिथिलेश सिंह ने कहा कि रज्जू भैया संस्थान

की शैक्षणिक, शोध एवं नवाचार गतिविधियों को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाना उनकी प्राथमिकता होगी। उन्होंने कहा कि संस्थान की उन्नति सामूहिक प्रयास, समर्पण, अनुशासन और आपसी सहयोग से ही संभव है। उन्होंने शिक्षकों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों से टीम भावना के साथ कार्य करने का आह्वान करते हुए कहा कि सभी के संयुक्त प्रयासों से संस्थान को उत्कृष्टता के नए आयामों तक पहुंचाया जाएगा तथा शिक्षा और शोध के क्षेत्र में इसकी विशिष्ट पहचान स्थापित की जाएगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सामूहिक सहभागिता और सकारात्मक सोच के बल पर रज्जू भैया संस्थान शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार के क्षेत्र में नई उपलब्धियां हासिल करेगा। कार्यभार ग्रहण समारोह में रज्जू भैया संस्थान के पूर्व निदेशक प्रो. देवराज सिंह, प्रो, डॉ. मिथिलेश यादव, डॉ. आशीष वर्मा, डॉ. संदीप वर्मा, डॉ. धीरेन्द्र चौधरी, डॉ. दिनेश वर्मा संस्थान के शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

पीयू द्वारा वृद्धाश्रम में योग कार्यक्रम का हुआ आयोजन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2026 की थीम ष्स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए योग के अंतर्गत कुलपति प्रो. वंदना सिंह के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय सेवा योजना वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय द्वारा बुधवार को वृद्धाश्रम (ओल्ड एज होम), सैय्यद अलीपुर, सुक्खीपुर में योग जन जागरूकता एवं अभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। योग प्रशिक्षक जय सिंह ने वृद्धजनों,को विभिन्न योगासन, प्राणायाम एवं ध्यान की विधि ियों का अभ्यास कराया उन्होंने बताया कि नियमित योग स्वस्थ, सक्रिय एवं सम्मानजनक वृद्धावस्था का आधार है। योग केवल व्यायाम नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवनशैली का माध्यम है जो जीवन के प्रत्येक चरण में लाभकारी

सिद्ध होता है। वृद्धाश्रम के सभी वृद्धजनों योग को दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने तथा स्वस्थ जीवन का संकल्प लिया। डॉ. ध्रुवराज योगाचार्य ने भी गीत के माध्यम से योग एवं स्वस्थ जीवन जीने का तरीका बताया। साथ योगाचार्य जी ने बताया कि वृद्धजनों के लिए हाथ एवं पैर का सूक्ष्म अभ्यास और भृष्टिका , अनुलोम विलोम एवं भ्रामरी प्रायाणाम से स्वस्थ जीवन का निर्वहन किया जा सकता है। कार्यक्रम का समन्वय कार्यक्रम समन्वयक डॉ.शशिकांत यादव एवं वृद्धाश्रम के संयोजक रवि चौबे ने किया। इस अवसर पर डॉ. पुनीत सिंह, डॉ. श्याम कन्हैया, डॉ. सोमारू राम, विकास सिंह, सत्यम त्रिपाठी सहित अन्य स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं : शंकर गिरी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। विकसित भारत के संकल्प को जन–जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से आज कलेक्ट्रेट प्रेक्षा गृह में ष्12 साल विश्वास के, विकास के और जनकल्याण केष् विषय पर शविकसित भारत संकल्प सम्मेलन (प्रबुद्ध जन) का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता जिला अध्यक्ष अजीत प्रजापति ने किया और मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश मंत्री शंकर गिरी उपस्थित रहे एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में स्वतंत्र प्रभार मंत्री गिरीश चन्द्र यादव एवं जिला प्रभारी अशोक चौरसिया उपस्थित रहे। यह सम्मेलन अत्यंत भव्य एवं प्रेरणादायी वातावरण में संपन्न हुआ, जिसमें जिले के वरिष्ठ पदाधिकारियों सहित भारी संख्या में प्रबुद्ध समाज ने सहभागिता की। सर्वप्रथम पार्टी के पुरोधा डा श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं पंडित दीन दयाल उपाध्याय के चित्र पर माल्यार्पण कर एवं दीप प्रजवलित कर सुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित भाजपा प्रदेश मंत्री शंकर गिरी ने अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं आज भारत आत्मनिर्भरता और बुनियादी सुविधाओं के विस्तार के साथ वैश्विक पटल पर एक महाशक्ति के रूप में उभर रहा है। राष्ट्र निर्माण में प्रबुद्ध वर्ग की भूमिका मार्गदर्शक की होती है 2047 तक भारत को विकसित और परम वैभव पर पहुँचाने के लिए समाज के हर वर्ग को सक्रिय जनभागीदारी निभानी होगी। विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद प्रदेश सरकार के मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गिरीश चंद्र यादव ने कहा कि पिछले 12 वर्षों में जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ बिना किसी भेदभाव के समाज के अंतिम पायदान पर

खड़े व्यक्ति तक पहुँचा है उन्होंने शविकसित भारत–2047श के विजन को साकार करने में बुद्धिजीवियों और प्रबुद्ध वर्ग की भूमिका को सबसे महत्वपूर्ण बताया। जिला प्रभारी अशोक चौरसिया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने पिछले 12 वर्षों में कई ऐतिहासिक निर्णय और विकासात्मक उपलब्धियां हासिल की हैं उन्होंने कहा कि भाजपा संगठन की मजबूती और कार्यकर्ताओं की निष्ठा के कारण जौनपुर में पार्टी लगातार सशक्त होती जा रही है। जिला अध्यक्ष अजीत प्रजापति ने 12 साल जनकल्याण केश विषय पर अपने विचार रखे उन्होंने जनधन योजना, उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री आवास योजना, किसान सम्मान निधि और जल जीवन मिशन जैसी प्रमुख योजनाओं का उल्लेख किया उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाने का प्रयास किया है उन्होंने देश में आधारभूत संरचना, डिजिटल तकनीक और परिवहन क्षेत्र में हुई उल्लेखनीय प्रगति का जिक्र किया। उन्होंने वंदे भारत ट्रेन, एक्सप्रेस–वे, रेलवे आध ुनिकीकरण, यूपीआई और डिजिटल इंडिया जैसी पहलों को विकास की नई पहचान बताया। कार्यक्रम के दौरान राष्ट्र और समाज निर्माण में उत्कृष्ट योगदान देने वाले प्रबुद्ध जनों एवं विशिष्ट अतिथियों को सम्मानित किया गया सम्मेलन के समापन पर उपस्थित सभी नागरिकों ने राष्ट्र निर्माण, जनभागीदारी और विकसित भारत के लक्ष्य के प्रति अपनी दृढ़ प्रतिबद्धता दोहराई पूरे परिसर में राष्ट्रहित और संकल्प की भावना स्पष्ट रूप से देखने को मिली। कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री अजय सिंह ने की। उक्त अवसर पर जिला महामंत्री पीयूष गुप्ता संदीप तिवारी जिला उपाध्यक्ष पंकज मिश्रा परविंदर चौहान पुष्पा निषाद नीरज मौर्य अमित श्रीवास्तव राज पटेल जिला मंत्री संतोष मिश्रा राजकेशर पाल धमेन्द्र मिश्रा डॉ० देवी प्रसाद सिंह श्राजेश गुप्ता सुधांशु सिंह विकास शर्मा जिला कोषाध्यक्ष श्रीमती रीता जायसवाल दीपक सिंह घनश्याम यादव जिला मिडिया प्रभारी आमोद सिंह विशाल गौतम रोहन सिंह अमित पाठक सिद्वार्थ राय एवं जिले के वरिष्ठ शिक्षाविदों, चिकित्सकों, अधिवक्ताओं, सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

केजीएमयू में आनुवंशिक बीमारियों की मुफ्त जांच शुरू

लखनऊ, (संवाददाता)। किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) में जन्मजात और आनुवंशिक बीमारियों की समय रहते पहचान के लिए सोमवार को नई पहल शुरू की गई। पैथोलॉजी विभाग में भारत सरकार के जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी) के निदान केंद्र तथा नवीनीकृत स्नातक और स्नातकोत्तर प्रयोगशालाओं का उद्घाटन कुलपति डॉ. सोनिया नित्यानंद ने किया गया। डीबीटी निदान परियोजना की प्रमुख डॉ. मिली जैन ने बताया कि केंद्र की स्थापना डीबीटी की उम्मीद योजना के तहत की गई है। इसका उद्देश्य गर्भावस्था के दौरान और जन्म के बाद बच्चों में होने वाली गंभीर आनुवंशिक एवं जन्मजात बीमारियों की शुरुआती पहचान करना है। गर्भावस्था के पहले तीन महीनों में गर्भवती महिला और उसके पति की थैलेसीमिया जांच की जाएगी। जरूरत पड़ने पर गर्भ में पल रहे शिशु की विशेष जांच कर बीमारी के जोखिम का आकलन किया जाएगा।

जौनपुर की तीन विधानसभा सीटों पर कांग्रेस उतारेगी प्रत्याशी, कानून–व्यवस्था पर सरकार को घेरा – नदीम जावेद

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में कांग्रेस नेता एवं पूर्व विधायक नदीम जावेद ने दावा किया है कि आगामी उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में जौनपुर की नौ विधानसभा सीटों में से कम से कम तीन सीटों पर कांग्रेस अपने प्रत्याशी उतारेगी। उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन प्रदेश में मजबूती के साथ चुनाव लड़ेगा और सरकार बनाने में सफल होगा। उक्त बाते सोमवार को पत्रकारो से बात करते हुए नदीम जावेद ने कही साथ ही उन्होंने ने प्रदेश की कानून–व्यवस्था, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार को लेकर राज्य सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के आंकड़ों के अनुसार हत्या, बलात्कार और अन्य गंभीर अपराधों के मामलों में उत्तर प्रदेश की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। उनका आरोप है कि प्रदेश में अपराध और भ्रष्टाचार बढ़ रहा है, जबकि युवाओं को रोजगार के पर्याप्त अवसर नहीं मिल रहे हैं।

उन्होंने खेतासराय क्षेत्र के चर्चित दूल्हा हत्याकांड का उल्लेख करते हुए मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की। साथ ही बक्सा थाना क्षेत्र के कौली गांव और केराकत क्षेत्र में हुई हत्या की घटनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि अपराध की बढ़ती घटनाएं आम लोगों में असुरक्षा की भावना पैदा कर रही हैं। उन्होंने दोषियों के खिलाफ त्वरित एवं निष्पक्ष कार्रवाई की मांग की। नदीम जावेद ने अयोध्या में राम मंदिर के दानपात्र से कथित चोरी की घटना का उल्लेख करते हुए कहा कि मामले का शीघ्र खुलासा होना चाहिए, ताकि लोगों का विश्वास बना रहे। उन्होंने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन जनता से जुड़े मुद्दों को लेकर मैदान में उतरेगा और प्रदेश की जनता बदलाव के पक्ष में फैसला करेगी।

बैनामा की जमीन पर विवाद में आशा कार्यकर्ता की पीट-पीटकर हत्या, तीन नामजद

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में महाराजगंज थाना क्षेत्र के सवंसा गांव में बुधवार को बैनामा की जमीन को लेकर हुए विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। विवाद के दौरान आशा कार्यकर्ता चेतना सिंह (45) की कथित रूप से पीट–पीटकर हत्या कर दी गई। घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल व्याप्त हो गया। मृतका के भाई संदीप सिंह द्वारा दी गई तहरीर के अनुसार, करीब 10 वर्ष पूर्व उनकी माता सुदामा देवी के नाम उक्त जमीन का बैनामा कराया गया था, जिसका नामांतरण भी राजस्व अभिलेखों में हो चुका है। आरोप है कि बुधवार सुबह ओम प्रकाश

सिंह विवादित भूमि पर ट्रैक्टर से जुताई करा रहे थे। इसका विरोध करने पर ओम प्रकाश सिंह, उनकी पुत्री रोमा और रीतू ने चेतना सिंह के साथ मारपीट शुरू कर दी। परिजनों का आरोप है कि मारपीट में गंभीर रूप से घायल चेतना सिंह की मौके पर ही मौत हो गई। चेतना सिंह महाराजगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में आशा कार्यकर्ता के रूप में कार्यरत थे। घटना की सूचना मिलते ही महाराजगंज सहित तीन थानों की पुलिस, राजस्व विभाग की टीम और स्थानीय प्रशासन मौके पर पहुंच गया। अधिकारियों ने स्थिति को नियंत्रित करते हुए शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।इस संबंध में जानकारी लेने पर क्षेत्राधिकारी सुनील चंद्र तिवारी ने बताया कि मामले में नामजद आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।मौके पर पुलिस बल तैनात है।

महाराणा प्रताप का जीवन साहस, स्वाभिमान और राष्ट्रभक्ति की अमर मिसाल : कृपा शंकर सिंह

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की जयंती बुधवार को राजपूत सेवा समिति के तत्वावधान में बुधवार को श्रद्धा, उत्साह और गरिमामय वातावरण में मनाई गई। इस अवसर पर नगर के कलीचाबाद स्थित महाराणा प्रताप पार्क से सैकड़ों मोटरसाइकिलों के साथ भव्य बाइक रैली निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में समाज के लोग, युवा और गणमान्य नागरिक शामिल हुए। रैली के दौरान युवाओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। मोटरसाइकिलों का काफिला नगर के विभिन्न मार्गों से गुजरते हुए महाराणा प्रताप की प्रतिमा स्थल पहुंचा, जहां उपस्थित लोगों ने माल्यार्पण कर वीर योद्धा को श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महाराष्ट्र के पूर्व गृहराज्य मंत्री एवं जौनपुर लोकसभा के पूर्व प्रत्याशी कृ पाशंकर सिंह ने कहा कि महाराणा प्रताप का जीवन साहस, स्वाभिमान और राष्ट्रभक्ति का प्रतीक है। उन्होंने

कहा कि महाराणा प्रताप ने विपरीत परिस्थितियों में भी अपने सिद्धांतों से समझौता नहीं किया और मातृभूमि की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। उनके आदर्श आज भी समाज और युवाओं को प्रेरित करते हैं। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे महाराणा प्रताप के आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करें और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाएं। इस अवसर पर राजपूत सेवा समिति के पदाधिकारियों ने महाराणा प्रताप के जीवन संघर्षों और वीरता पर प्रकाश डालते हुए उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर पुलिस बल भी तैनात रहा। समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि महाराणा प्रताप जयंती का आयोजन प्रतिवर्ष समाज में वीरता, एकता और राष्ट्रप्रेम की भावना को मजबूत करने के उद्देश्य से किया जाता है। कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश प्रवक्ता ओमप्रकाश सिंह, शशि मोहन सिंह क्षेम, प्रदीप सिंह, अजीत कुमार सिंह, रविंद्र प्रताप सिंह, रत्नाकर सिंह, अजीत सिंह, राजेश सिंह, रविंद्र सिंह, सिद्धार्थ सिंह सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

संदिग्ध परिस्थितिओ में महिला ने किया आत्महत्या परिजनों देकर हत्या करने का लगाया आरोप

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। तेजीबाजार थाना अंतर्गत क्षेत्र के ब्राह्मणपुर नवाबाद बस्ती निवासी आरती पत्नी सुरेश गौतम (31)वर्ष ने बीती मंगलवार रात जहर खाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली, बुधवार को मृतक की माँ विमला देवी ने दामाद और मृतक के जेठ के ऊपर जहर देनेआरोप लगाते हुए थाने मे तहरीर दी है! इस संबंध में डी थानाध्यक्ष सतेन्द्र भाई पटेल ने बताया कि ब्राहमणपुर नवाबाद गांव में हुई घटना की सूचना मिलते ही पुलिस बल के साथ मौके पर पहुन्चकर आवश्यक लिखा पढ़ी किया गया और शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम हाउस के लिये भेज दिया गया, ये मंगलवार रात्रि

की घटना है, मृतक की माँ की तहरीर के आधार पर पति सुरेश गौतम और जेठ रमेश उर्फ कल्लू गौतम तथा संगीता के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर अग्रिम कार्यवाही की जा रही हैं! आरती गौतम बक्शा थाना क्षेत्र के पूरातेजी गांव निवासी मदनलाल गौतम की पुत्री थी, आरती की शादी बारह वर्ष पूर्व हुई थी आरती की दो छोटी छोटी बेटियाँ भी है बडी बेटी लगभग सात वर्ष की है और छोटी बेटी की उम्र लगभग 5 वर्ष है दोनों बिटियाँ ब्राहमणपुर नवाबाद गाँव के परिषदीय विद्यालय में पढ़ती है! मृतक की माँ का रो रोकर बुरा हाल हो गया है!

माँ और बहनो की माने तो इनका कहना है कि सुरेश मंगलवार की रात्रि लगभग नौ बजे आरती को लेकर कलिन्जरा बाजार गये थे और ग्यारह बजे हम लोगो के पास फोन आया कि आरती ने जहर खा लिया है, ऐसी क्या बात हुई जो इतनी बड़ी घटना घट गयी आरती कभी जहर नही खा सकती इन लोगों ने ही जहर देकर मारा है।

सीएम के अयोध्या आगमन को लेकर मेयर व नगर आयुक्त ने किया निरीक्षण

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। अयोध्या नगर निगम के तत्वाधान में निर्मित बहुप्रतीक्षित रामायण वैक्स म्यूजियम और अयोध्या धाम का नया जोनल कार्यालय बनकर पूरी तरह तैयार हो गया है।बताते चले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 19 जून को दोनों परियोजनाओं का लोकार्पण कर इन्हें राष्ट्र को समर्पित करेंगे।इस अवसर पर मुख्यमंत्री वैक्स म्यूजियम परिसर में आयोजित समारोह को भी संबोधित करेंगे। लगभग 10 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित वैक्स म्यूजियम अयोध्या आने वाले पर्यटकों एवं श्रद्धालुओं का नया आकर्षण बनेगा।म्यूजियम में भगवान श्रीराम, माता सीता, लक्ष्मण, भरत, शत्रुघ्न, हनुमान जी, ऋषि वशिष्ठ, रावण, मेघनाथ और जटायु समेत रामायण के प्रमुख 25 से अधिक पात्रों की जीवंत मोम प्रतिमाएं लगाई गई हैं। लोकार्पण के बाद म्यूजियम पर्यटकों के लिए खोला जाएगा।टिकट और समय–सारिणी की घोषणा 19 जून को उद्घाटन के बाद की जाएगी।यहीं से मुख्यमंत्री मोहबरा बाजार में 10. 19 करोड़ रुपये की लागत से बने नए जोनल कार्यालय का भी लोकार्पण करेंगे।इस नए कार्यालय के शुरू होने से अयोध्या धाम क्षेत्र के नागरिकों को नगर निगम से जुड़ी सुविधाएं एक ही छत के नीचे मिलेंगी।कार्यक्रम को भव्य बनाने के लिए नगर निगम ने तैयारियां तेज कर दी हैं।बुधवार सुबह साढ़े आठ बजे महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी और नगर आयुक्त जयेंद्र कुमार ने मुख्यमंत्री के संभावित दौरे से जुड़े सभी स्थलों का निरीक्षण किया।नगर निगम के जनसंपर्क अधिकारी मुकेश पांडे ने बताया कि महापौर ने राम कथा पार्क के निकट स्थित हेलीपैड स्थल का जायजा लिया और घास की सफाई व खुले केबल को अंडरग्राउंड करने के निर्देश दिए।इसके बाद अधिकारियों ने ऋषिदेव जैन मंदिर और मनीरामदास की छावनी का निरीक्षण कर सफाई व्यवस्था की समीक्षा की। महापौर ने दोनों भवनों को विशेष रूप से सजाने–संवारने के निर्देश दिए हैं।नगर आयुक्त ने कार्यक्रम स्थलों पर पेयजल, सफाई, चूना–ब्लीचिंग का छिड़काव, एंटी लार्वा दवा के छिड़काव और फॉगिंग के व्यापक इंतजाम करने को कहा।डस्ट नियंत्रण के लिए पानी का छिड़काव भी कराने के निर्देश दिए।उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री इस दौरे में अयोध्या की कई अन्य विकास परियोजनाओं का भी लोकार्पण करेंगे।निरीक्षण के दौरान अपर नगर आयुक्त डॉ. नागेंद्र नाथ, भारत भार्गव, मुख्य महाप्रबंधक जलकल सौरभ श्रीवास्तव, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राममणि शुक्ल, अधिशासी अभियंता दीपांकर सिंह एवं सहायक अभियंता राजपति यादव आदि मौजूद रहे।

किसान दिवस में किसानों की समस्याओं के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण पर दिया गया जोर

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या।जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी के निर्देश पर कलेक्ट्रेट सभागार में अपर जिलाधिकारी (एल.ओ.) इंद्रकांत द्विवेदी की अध्यक्षता में किसान दिवस का आयोजन किया गया।बैठक में जनपद के प्रगतिशील किसानों ने प्रतिभाग कर कृषि एवं किसान हित से संबंधित विभिन्न समस्याओं एवं सुझावों को प्रस्तुत किया।

बैठक के दौरान उप कृषि निदेशक द्वारा किसानों को उर्वरकों, विशेषकर यूरिया खाद की उपलब्धता के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। उन्होंने किसानों को आश्वस्त करते हुए बताया कि जनपद में यूरिया खाद की पर्याप्त उपलब्धता है तथा किसी प्रकार की कमी नहीं है।

किसान दिवस में गत माह प्राप्त शिकायतों एवं प्रकरणों को बिंदुवार पढ़कर उनकी समीक्षा की गई तथा संबंधित विभागों द्वारा उनके निस्तारण की जानकारी प्रस्तुत की गई। किसानों द्वारा उठाई गई वर्तमान समस्याओं को भी गंभीरता से सुना गया तथा उनके समाधान हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए।बैठक की अध्यक्षता कर रहे अपर जिलाधिकारी (एल.ओ.) ने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि किसान हित से जुड़ी शिकायतों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए तथा किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न होने पाए।बैठक में

उपनिदेशक कृषि पीके कन्नौजिया संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

सीबीआई की टीम देवकाली स्थित पवन मालवीय के आवास पर मारा छापा

अयोध्या। बुधवार को अमेठी बेसिक शिक्षा विभाग में 7 करोड़ रुपए से अधिक के कथित घोटाले की जांच में सीबीआई टीम ने बुधवार को पवन कुमार मालवीय के आवास पर छापा मारा।सीबीआई टीम ने करीब ढाई घंटे तक दस्तावेजों और अन्य अभिलेखों की गहन जांच की। सीबीआई अधिकारियों ने मकान से जुड़े दस्तावेजों, वित्तीय रिकॉर्ड और मामले से संबंधित अन्य साक्ष्यों की पड़ताल किया।छापा मारते समय सीबीआई ने इतनी सतर्कता बरती कि इसकी भनक स्थानीय लोगों को छोड़िए स्थानीय पुलिस तक नहीं पहुंची।टीम सुबह 5रू30 बजे देवकाली पुलिस चौकी पास स्थित पवन कुमार मालवीय के आवास पर पहुंची।सुबह करीब 8 बजे टीम कार्रवाई पूरी कर वहां से रवाना हो गई।हालांकि,एजेंसी की ओर से इस संबंध में कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।देखा जाये तो सीबीआई टीम ने हाईकोर्ट के आदेश पर अमेठी के बेसिक शिक्षा विभाग के वित्त एवं लेखा अनुभाग में 7 करोड़ रुपए से अधिक की कथित वित्तीय अनियमितताओं के मामले में यह कार्यवाई की है।अमेठी के बेसिक शिक्षा विभाग के वित्त एवं लेखा अनुभाग में 7 करोड़ रुपए से अधिक की कथित वित्तीय अनियमितताओं के मामले में हाईकोर्ट के निर्देश पर सीबीआई जांच कर रही है।यह जाँच डीआईजी शिवानी तिवारी के नेतृत्व में की जा रही है।इसके लिए 8 अलग–अलग टीमों का गठन किया गया है।टीमों ने बुधवार को उत्तर प्रदेश के कई जिलों में एक साथ कार्रवाई की।

'वरिष्ठ चिकित्सक डॉ पी.एन. रस्तोगी के निधन पर रेड क्रॉस में शोक सभा आयोजित'

'ब्यूरो रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'शाहजहांपुर' मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय परिसर स्थित इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी कार्यालय में जनपद के जिला अस्पताल के वरिष्ठ अस्थि रोग विशेषज्ञ एवं चिकित्सा जगत की प्रतिष्ठित विभूति डॉ पी.एन. रस्तोगी के आकस्मिक निधन पर एक शोक सभा आयोजित की गई। डॉ पी.एन रस्तोगी चिकित्सक डॉ उत्तम रस्तोगी के पूज्य पिता तथा ददरौल सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पर तैनात आयुष चिकित्सक डॉ रचना रस्तोगी के पूज्य ससुर थे। शोक सभा में उपस्थित समाजसेवियों एवं रेडक्रॉस पदाधिकारियों ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखकर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। वक्ताओं ने कहा कि डॉ पी.एन. रस्तोगी केवल एक कुशल एवं समर्पित चिकित्सक ही नहीं, बल्कि मानवीय मूल्यों से ओत–प्रोत समाजसेवी व्यक्तित्व भी थे। उन्होंने अपने दीर्घ चिकित्सकीय

जीवन में असंख्य रोगियों को स्वास्थ्य लाभ प्रदान कर समाज में सेवा, संवेदना और समर्पण की अनुपम मिसाल प्रस्तुत की। उनका निधन चिकित्सा एवं सामाजिक क्षेत्र के लिए एक अपूरणीय क्षति है, जिसकी भरपाई निकट भविष्य में संभव नहीं है। इस अवसर पर इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी के सचिव डॉ विजय जौहरी, सीटू के जिला अध्यक्ष मुरारी दीक्षित, रेडक्रॉस के सदस्य अवनीश सक्सेना, बृजेश गुप्ता टीवी क्लीनिक से अतुल मिश्रा और रोहित मिश्रा, सी एल तिवारी सुधांशु ,आशीष, अनुज जौहरी, मनोज तिवारी, सौरभ, अग्रज जौहरी, ओम, दिव्यांगजन कल्याण समिति के बालकृष्ण पाण्डेय सहित रेडक्रॉस के अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभा में वक्ताओं ने शोक संतप्त परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए ईश्वर से प्रार्थना की कि दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें तथा परिवारजनों को इस असहनीय दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें। उपस्थित सभी लोगों ने डॉ रस्तोगी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को स्मरण करते हुए उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की।

शादी मे झांसा देने वाले वांछित आरोपी को बीकापुर पुलिस ने किया गिरफ्तार

अयोध्या। बीकापुर कोतवाली पुलिस ने शादी के धोखा देने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेजा।बताते चले यह तीनों आरोपी काफी दिनों से पुलिस के शिकंजे से फरार चल रहे थे।इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक बीकापुर कोतवाली देवेंद्र पांडे ने बताया कि स्थानीय थाने पर पीड़िता ने तहरीर के माध्यम से बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपी को शादी का झासा दे रहे थे।उन्होंने बताया कि आरोपी ने 03 वर्ष से साथ रहे प्रेमी का शादी से इंकार करना व गाली गलौज व धमकी दिया।जिसमे वांछित अभियुक्त करन चौहान पुत्र बद्री प्रसाद चौहान निवासी सूरासराय थाना को० बीकापुर जनपद अयोध्या पुलिस की गिरफ्त से काफी दिनों से फरार चल रहा था। फरार चल रहे इस वांछित आरोपी को तेज तर्रार व नवागत प्रभारी निरीक्षक कोतवाली बीकापुर देवेंद्र पांडे ने इस चेतावनी मानते हुए इसमें शामिल मुख्य आरोपी को गिरफ्तार करने के लिए जाल बिछाया और काफी दिनों से फरार चल रहे आरोपी को बुधवार जलालपुर रेलवे फाटक के पहले से थाना कोतवाली बीकापुर पुलिस टीम के द्वारा गिरफ्तार किया।बताया कि आरोपी करन चौहान पुत्र बद्रीप्रसाद निवासी ग्राम सुरासराय थाना कोतवाली बीकापुर,करन के चाचा अज्ञात परिजन पंजीकृत व जिसकी विवेचना वरिष्ठ उप निरीक्षक विजय प्रताप तिवारी को सुपुर्द किया गया।वही अभियुक्त करन चौहान पुत्र बद्री प्रसाद चौहान निवासी सूरासराय को थाना कोतवाल बीकापुर जनपद अयोध्या उम्र 20 वर्ष को समय 12.10 बजे जलालपुर रेलवे फाटक के पहले से थाना को बीकापुर पुलिस टीम के द्वारा गिरफ्तार किया।

रामनगरी में बंदरों का आतंक,श्रद्धालु हो रहे परेशान

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या।राम नगरी मे इन दिनों बंदरो ने आतंक मचा रखा हैं।जिसके चलते आमजन को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा हैं।इन बंदरों को लेकर घरेलू महिलाओ को सबसे अधिक दिक्कत बंदरो से हो रही है। जो ग्रहणी महिलाएं घरो मे रोज मर्रा के कम करने मे व्यस्त रहती हैं उन्हें इनका सामना करना पड़ता हैं अब जैसे कि कोई महिला रसोई मे खाना बना रही हो और चुपके से यह बंदर रसोई मे दाखिल होते हैं और खाद्य वस्तुओं को लेकर रफू चक्कर हो जाते हैं।और कभी कभी तो महिलाओ के ऊपर उग्र होकर उन्हें शारीरिक चोट भी पंहुचा देते हैं जिसका सही आकलन अस्पतालों मे लगने वाले रेबीज इंजेक्शन कि बढ़ती संख्या से लगाया जा रहा जहाँ पहले कुत्ते के काटने पर रेबीज की ज्यादा खापत होती तो वहीं बंदरों के हमले से इसकी संख्या मे खासा इजाफा हुआ हैं. बंदरो के आतंक की बात करें तो बुधवार की सुबह नगर के शास्त्री नगर मे एक रिटायर कर्मी को बंदरो के एक पुरे समूह ने अपना शिकार बना लिया।बताते चले कि 65 वर्षीय सालिक राम वर्मा आपने घर के बाहर लगे बागान को पानी दें रहें थे तभी वाहन लगे एक जाल मे बंदर का एक बच्चा फस गया।जिसके चिलाने से आस पास रहें करीब एक दर्जन बंदरों ने एक जुट होकर वृद्ध सालिक राम पर हमला कर दिया।जिसके चलते उन्हें स्थानियों लोगों ने किसी तरह बचाकर जिला चिकित्सालय पहुंचाया जहाँ डियूटी पर रहें डॉ आशीष पाठक ने उन्हें रेबीज इंजेक्शन कि डोज लगाई और उसके बाद उन्हें भर्ती कर उनका एआरजी टेस्ट करवाया वहीं स्थानियों लोगों ने बताया कि जिस समय सालिक राम पेड़ो मे पानी दें रहें थे उसी समय बंदर का एक बच्चा जल मे फंस गया जिसकी आवाज सुनकर आस पास मौजूद रहें दर्जनों बंदर उनके ऊपर टूट पड़े जिसके चलते उनके शरीर मे कई चोटे लगी और घाव ज्यादा होने के चलते उन्हें टेक भी लगाने पड़े. फिरहाल उनकी तबीयत मे सुधार हो रहा हैं जल्द ही उन्हें छुट्टी कर डी जाएगी।

महिला एसओ ने मिशन शक्ति अभियान के तहत महिलाओ को किया जागरूक

अयोध्या। मंगलवार को मिशन शक्ति अभियान फेज–5 के तहत महिला थानाध्यक्ष आशा शुक्ला ने महिला पुलिस कर्मियों के साथ गुलाबबाडी,कंपनी गार्डन, गुप्तारघाट सहित अन्य प्रमुख चौराहों तथा मार्गों पर मिशन शक्ति अभियान फेज – 5 के तहत महिलाओ व बालिकाओं को जागरुक किया।इस मौके पर उन्होंने महिलाओ व बेटियों के विकास के लिए केंद्र व राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के प्रति जागरूक व सुरक्षात्मक उपाय भी बताई।इस मौके पर उन्होंने महिलाओं तथा बालिकाओं को सुरक्षात्मक टिप्स की भी जानकारी दिया।उन्होंने विधवा केंद्र व राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं जिसमे विधवा पेंशन, वृद्धा पेंशन एवं सुकन्या समृद्धि योजना और हेल्पलाइन नंबर के बारे में महिलाओं को जागरूक किया।इसके अलावा उन्होंने उन्हें किसी भी प्रकार की पुलिस सहायता हेतु विमेन पावर लाइन 1090, यूपी 112, महिला हेल्पलाइन 181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, चाइल्ड लाइन 1098, साइबर अपराध 1930 के बारे में बताया गया।बताया कि यह सभी नंबर आप लोग हमेशा याद रखें। जब भी आपको किसी भी प्रकार की सहायता लेने की जरूरत हो तो आप इस नंबर पर फोन कर सकते हैं।इस मौके पर महिला पुलिस कर्मियों मे विमलेश,सायरा बानू,करिश्मा दूबे सहित अन्य महिला पुलिस कर्मी मौजूद रही।

महिला एसओ आशा शुक्ला व समस्त कर्मियों ने किया योग अभ्यास

अयोध्या। महिला थाना परिसर मे प्रतिदिन महिला थानाध्यक्ष आशा शुक्ला की अध्यक्षता मे महिला कर्मी योग कर रही है।इसी कडी मे बुधवार को महिला थानाध्यक्ष आशा शुक्ला ने महिला थाना परिसर मे तैनात सभी महिला पुलिस कर्मियों के साथ योगा अभ्यास किया।उन्होंने बताया महिला

परिसर मे यह योगाभ्यास 21 जून तक चलता रहेगा।इस मौके पर उनके अलावा महिला उप निरीक्षक सोनी, प्रिया, श्वेता राठौर, सहित विमलेश,सायरा बानू,करिश्मा दूबे,वंदना, प्रेया सहित अन्य महिला पुलिस कर्मी मौजूद रहे।

इन तीन राज्यों के उद्यमियों को बड़ी राहत, एनइआर में माल भाड़ा संभावनाओं का सर्वे शुरू

गोरखपुर, (संवाददाता)। यूपी, बिहार और उत्तराखंड के उद्यमियों के राहत देने वाली खबर है। पूर्वोत्तर रेलवे में माल ढुलाई के लिए बेहतर रेल सेवा उपलब्ध कराने की तैयारी शुरू हो गई है। छोटे और बड़े उद्योगों के उत्पाद की ढुलाई के लिए एक्शन प्लान तैयार किया जा रहा है। इससे उद्योगों के माल की ढुलाई को मालगाड़ी से हो सकेगी और कारोबारियों की लागत कम होगी तो उन्हें मुनाफा ज्यादा होगा। इससे उनका कारोबार भी चमकेगा। पूर्वोत्तर रेलवे में पहली बार माल भाड़ा की संभावनाएं तलाशने के लिए भारतीय प्रबंधन संस्थान रायपुर (आईएम रायपुर) को कंसल्टेंसी एजेंसी नामित किया गया है। यह एजेंसी पूर्वोत्तर रेलवे मुख्यालय के अलावा तीनों मंडलों में माल भाड़ा की संभावनाएं तलाशेगी। छह माह में एजेंसी को रिपोर्ट देना है जिसके बाद एक्शन प्लान तैयार किया जाएगा। उत्तर प्रदेश में देश की नामी कंपनियां अब निवेश के लिए आने लगी हैं। खासकर, गोरखपुर में गीडा के बाद धुरियापार को ग्रेटर गीडा के रूप में विकसित करने की तैयारी चल रही है। केयान डिस्टिलरीज, अदाणी समूह की ओर से अंबुजा सीमेंट, श्री सीमेंट की फैक्टरियां लगने जा रही हैं। इससे माल भाड़ा की संभावनाएं बढ़ी हैं। इसे देखते हुए अब पूर्वोत्तर रेलवे ने भी माल की ढुलाई की ओर से ध्यान देना शुरू किया है। इसके लिए कई स्तर पर प्रयास किए गए हैं। निजी कंपनियों की भागीदारी बढ़ाकर गति शक्ति कार्गो टर्मिनल बनाए जा रहे हैं तो वहीं माल भाड़ा में छूट भी दी जा रही है। पूर्वोत्तर रेलवे के दायरे में आने तीनों प्रदेशों के 47 जिलों में कंसल्टेंसी एजेंसी सर्वे करेगी। एजेंसी के जरिये रेलवे पता लगाएगा कि किस क्षेत्र में कौन से उत्पाद हैं जिसकी ढुलाई मिल सकती है। सर्वे में एजेंसी उत्पाद, बाजार, सड़क और रेल का रेशियो, प्राइवेट फ्रेड कार्गो टर्मिनल, निवेश कराने वाली कंपनियों की स्थिति का आकलन करेगी। पिछले महीने आईएम रायपुर से रेल प्रशासन का अनुबंध हो चुका है और एजेंसी के लोगों ने सर्वे भी शुरू कर दिया है। रिपोर्ट आने के बाद सुविधाओं में सुधार और परिवर्तन को लेकर रेल प्रशासन एक्शन प्लान तैयार करेगा। पूर्वोत्तर रेलवे के क्षेत्र से मिनी रेक वाली मालगाड़ी के माध्यम से विदेशों में निर्यात के लिए पहले गुजरात के दो बंदरगाह गांधी धाम और सिरपा पोर्ट पर चीनी भेजी जाती थी। सीतापुर, खैराबाग, गोला गोलकनाथ, बहेड़ी, अलीगंज आदि ढुलाई वाले रेलवे स्टेशनों से गन्ना भेजा जाता था लेकिन गन्ना उत्पादन कम होने के चलते अब मालगाड़ी से माल की ढुलाई नहीं मिल पाती है। इसके चलते माल भाड़ा भी बंद हो गया।

उप परिवहन आयुक्त राजकुमार सिंह ने किया नए भवन का उद्घाटन

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।जिले के संभागीय परिवहन अधिकारी कार्यालय को नया भवन मिल गया है। उप परिवहन आयुक्त परिक्षेत्र अयोध्या राजकुमार सिंह ने बुधवार को विधिवत पूजा–अर्चना और वैदिक मंत्रोच्चार के बीच नवनिर्मित भवन का उद्घाटन कर अपने नवनिर्मित कक्ष में स्थान ग्रहण कर लिया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विभागीय अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे। उद्घाटन के बाद प्रसाद वितरण भी किया गया।उद्घाटन कार्यक्रम की शुरुआत विद्वान ब्राह्मणों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार और पूजन के साथ हुई। धार्मिक अनुष्ठान के बाद उप परिवहन आयुक्त राजकुमार सिंह ने फीता काटकर भवन का लोकार्पण किया। इसके बाद सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने नए भवन का अवलोकन किया।इस अवसर पर उप परिवहन आयुक्त राजकुमार सिंह ने कहा कि उन्हें परिक्षेत्र में अपनी तैनाती के दौरान नए भवन में कार्य करने का अवसर मिला है। उन्होंने इसे विभाग के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। उन्होंने उम्मीद जताई कि नए भवन से विभागीय कार्यों के संचालन में सुविधा बढ़ेगी और आम लोगों को बेहतर सेवाएं मिल सकेंगी। इसके साथ ही स्थान चयन के लिए एआरटीओ प्रशासन डॉ आरपी सिंह की प्रशंसा की। कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए मोटरयान निरीक्षक राजीव कुमार का सराहना किया।पूरी टीम की जितनी प्रशंसा की जाए कम है। कार्यक्रम में संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन) विश्वजीत प्रताप सिंह, संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) संजय झा, सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) गुलाबचंद, पीटीओ राजेश कुमार तथा मोटर यान निरीक्षक राजीव कुमार उपस्थित रहे।अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने बुके भेंट कर जोनल को बधाई दी। इस दौरान विभाग के कर्मचारी प्रधान सहायक शिवकुमारी शुक्ला,लवकुश सिंह,वरिष्ठ सहायक सरवर जावेद, अनुराग सोनकर, निखिल वर्मा,अतुल मौर्य,रविंद्र सिंह सहित अन्य कर्मचारी भी कार्यक्रम में शामिल हुए।नए भवन के शुरू होने से परिवहन विभाग के प्रशासनिक कार्यों को बेहतर ढंग से संचालित करने में मदद मिलेगी। साथ ही कार्यालय आने वाले लोगों को भी अधिक सुविधाजनक वातावरण उपलब्ध हो सकेगा। विभागीय अधिकारियों का मानना है कि आधुनिक सुविधाओं से युक्त भवन भविष्य में परिवहन सेवाओं को और अधिक प्रभावी बनाने में सहायक साबित होगा।

नीना थापा क्रिकेट एकेडमी का दबदबा, 5–0 से जीती श्रृंखला

गोरखपुर, (संवाददाता)। कुसम्ही क्रिकेट ग्राउंड पर आयोजित यूनिटी सुपर सीरीज अंडर–19 में नीना थापा क्रिकेट एकेडमी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए हॉक स्पोर्ट्स को पांचवें मुकाबले में 15 रन से हराकर श्रृंखला 5–0 से अपने नाम कर ली। पूरी सीरीज में बल्लेबाजी, गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण के हर विभाग में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए टीम ने एकतरफा दबदबा बनाए रखा। श्रृंखला के अंतिम मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए नीना थापा क्रिकेट एकेडमी ने 35 ओवर में सात विकेट पर 215 रन बनाए। प्रियांशु उपाध्याय ने 61 गेंदों में 72 रन की शानदार पारी खेली, जिसमें छह चौके और तीन छक्के शामिल रहे। कप्तान दीपक यादव ने 40, सचिन पाल ने 31 तथा महबूब अंसारी ने नाबाद 26 रन का योगदान दिया। हॉक स्पोर्ट्स की ओर से समर यादव ने चार विकेट झटके, जबकि अमान शाह, अंकुश यादव और आरुष कुमार को एक–एक सफलता मिली।216 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी हॉक स्पोर्ट्स की टीम 33.5 ओवर में 200 रन पर सिमट गई। अमान शाह ने सर्वाधिक 61 रन बनाए, जबकि अंश सिंह ने 35 और करण कुमार ने 24 रन का योगदान दिया। नीना थापा क्रिकेट एकेडमी की ओर से अनमोल सिंह ने तीन विकेट लिए। प्रियांशु उपाध्याय और सचिन पाल ने दो–दो विकेट तथा अंशुमान शाही ने एक विकेट हासिल किया। प्रियांशु बने प्लेयर ऑफ द मैचहरफनमौला प्रदर्शन के लिए प्रियांशु उपाध्याय को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

पीपल की फेरी लगाकर महिलाओं ने मांगा आशीष

प्रयागराज। सोमवती अमावस्या सोमवार को श्रद्धा, उल्लास से मनाई गई। इस अवसर पर संगम स्थित गंगा–यमुना के विभिन्न घाटों पर पुण्य के निमित्त श्रद्धालुओं ने स्नान–दान किया। महिलाओं ने पति की दीर्घायु के लिए व्रत रखा और विधिविधान से पीपल का पूजन–अर्चन कर मंगल कामना की।

साइबर क्राइम टीम ने 62000/– रुपये की धनराशि कराया वापस

अयोध्या।साइबर क्राइम टीम ने पीड़ित को 62000 रुपये की धनराशि वापस कराया।इस संबंध में साइबर थाना प्रभारी निरीक्षक अरशद ने बताया कि आवेदक ने थाना साइबर पर धनराशि कट जाने से सम्बन्धित साइबर फ्राड मे एनसीआरपी पोर्टल पर त्वरित कार्यवाही कराते हुए जनपद–अयोध्या से सम्बन्धित शिकायतों मे 62000/– रुपये थाना साइबर क्राइम द्वारा वापस कराया।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।